सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 9, नई दिल्ली, सोमवार,
31 अक्टूबर, 2022, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 दिल्लीवासियों की सांसों के सांस न करें राजनीति एलजी साहब : राय
05 फोर्ड फिएस्टा का प्रोडक्शन जल्द होने वाला है बंद....
08 रोड़ सेक्टर में देरी वाले प्रोजेक्ट सबसे अधिक, रेलवे दूसरे नंबर पर

सुविचार

देखा हुआ सपना सपना ही रह जाता है जब तक व्यक्ति अपना पसीना नहीं बहाता है।

इनसाइड

रैपिड रेल का 90% काम पूरा, नवंबर में मुख्य ट्रायल

गाजियाबाद। साहिबाबाद से दुहाई तक रैपिड रेल के प्राथमिकता खंड में 90 फीसदी कार्य पूरा हो गया है। नवंबर में मुख्य ट्रायल रन प्रस्तावित है। ट्रायल रन से पहले नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) ने रैपिड रेल ट्रैक के ऊपर लगाई जा रही बिजली की लाइन को 25000 वोल्ट की क्षमता के साथ चार्ज कर दिया है। वर्तमान में 17 किमी लंबे प्राथमिकता खंड के 50 फीसदी भाग में ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) का काम पूरा हुआ है। नवंबर के दूसरे सप्ताह तक ओएचई का बाकी काम पूरा होते ही पूरी लाइन में 25 केवीए का करंट दौड़ने लगेगा। बिजली आपूर्ति के लिए पहले खंड में बनाया गया इकलौता रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) ने काम करना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (यूपीटीसीएल) की ओर से रिसीविंग सब-स्टेशन तक 220 केवी की लाइन बिछाई गई है। सब-स्टेशन से कॉरिडोर में ट्रेनों के संचालन के लिए 25 केवी और स्टेशनों पर बिजली आपूर्ति केलिए 33 केवी की लाइन से बिजली की आपूर्ति होगी।

चार स्टेशनों का काम एडवांस स्तर पर

रैपिड रेल के पहले खंड में कुल पांच में से चार स्टेशनों का निर्माण कार्य एडवांस स्तर पर चल रहा है। साहिबाबाद के मुख्य स्टेशन में प्लेटफार्म का शेड तैयार हो गया है। यहां प्लेटफार्म स्क्रीन डोर को लगाने, स्वचालित सीढ़ियां, लिफ्ट, प्रवेश-निकास द्वार के साथ फिनिसिंग का काम तेज गति से जारी है। मेरठ रोड तिराहा स्टेशन में निर्माण संबंधी काम अंतिम चरण में हैं। यहां प्लेटफार्म के शेड का काम और प्रवेश निकास का काम तेजी से जारी है। गुलधर स्टेशन में निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं। यहां स्वचालित सीढ़ियां, लिफ्ट, प्लेटफार्म की छत, प्लेटफार्म स्क्रीन डोर व फिनिशिंग का काम तेजी से जारी है। दुहाई डिपो स्टेशन लगभग तैयार है। वहीं दुहाई के आखिरी स्टेशन में निर्माण कार्य प्लेटफार्म लेवल तक पहुंचने के साथ प्रवेश-निकास द्वार का काम जारी है।

14 किमी. हिस्से में बिछी पटरियां

एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स का कहना है कि प्राथमिकता खंड में कुल 17 में से करीब 14 किमी के हिस्से में पटरियों को बिछाने का काम पूरा हो चुका है। ओएचई लगाने के कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है। डिपो में स्टैंडर्ड गेज की तीन निरीक्षण और दो वर्कशॉप लाइन का काम अंतिम चरण में है।

दुहाई डिपो में टेस्टिंग ट्रैक की लाइन पहले ही चार्ज

पहले खंड में बनाए एक अकेले रिसीविंग सब-स्टेशन में 50 मेगावाट क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। सभी की टेस्टिंग पूरी होने के साथ दुहाई डिपो में बिजली की आपूर्ति की जा रही है। डिपो में मुख्य टेस्टिंग ट्रैक और इंस्पेक्शन बे लाइन (आईबीएल) को बीते माह सितंबर में ही चार्ज किया जा चुका है। ऐसे में दुहाई डिपो में अब तक आईं दो छह-छह कोच की रैपिड रेल के तकनीकी परीक्षण लगातार जारी है।

आरटीवी मिनी बस क्या हवा से चलती है ? टोलवा

ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग से दिल्ली की जनता को पिछले कई दशकों से सुखद, सुरक्षित और विश्वसनीय सवारी सेवा प्रदान करने वाली मिनी बसें आरटीवी और उसके मालिकों के लिए पूछा एक सवाल!

संजय बाटला

नई दिल्ली। संजय बाटला अध्यक्ष द्वारा दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग से सवाल किया क्या आरटीवी मिनी बसें जो दिल्ली की स्टेज कैरेज परमिट पर चलती है और सरकार के द्वारा निर्देशित रुट पर नोटिफाइड किराए पर दिल्ली की जनता को सेवा प्रदान कर रही है वह क्या हवा से चलती है और उनके मालिको के घर कुबेर का खजाना भरा हुआ है ? बाटला ने कहा क्या दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग ऐसा सोचती है ?

अन्त में बाटला ने कहा *जवाब तो बनता है, आखिर क्या कारण है और क्यों 2009 से अब तक ना किराया बढ़ाने की सोची और ना ही वाईबिल्टी गैपिंग फंड दिया और ऊपर से तानशाही तरीके से मांग रहे उस नाम का पैसा जो कानून की दृष्टि में भी सही नही ? आखिर क्यों ?

ई-रिक्शा का पंजीकरण नहीं तो होगा जब्त

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी की सड़कों पर बड़ी संख्या में बिना पंजीकरण और फिटनेस के ई-रिक्शा और ई-कार्ट (व्यावसायिक वाहन) दौड़ रहे हैं। परिवहन विभाग ने ऐसे वाहनों के लिए 30 अक्तूबर का समय दिया है, जिसमें पंजीकरण व फिटनेस करानी होगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बीते पांच महीने से लगातार पंजीकरण की तिथि को आगे बढ़ाया जा रहा है लेकिन उसके बाद भी बड़ी संख्या में बिना पंजीकरण के वाहन दौड़ रहे हैं। अब निर्धारित तिथि के बाद अतिरिक्त मोहलत नहीं दी जाएगी। एक नवंबर से बिना पंजीकरण व फिटनेस वाले वाहनों का जब्त किया जाएगा।

परिवहन विभाग ने लिथियम आयन बैटरी से संचालित ई-रिक्शा और ई-कार्ट को चालने की मंजूरी दी है। शुरुआत में जब इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री शुरू हुई तो उस वक्त कोई नियमावली नहीं थी, जिसके चलते बड़ी संख्या में बिना पंजीकरण के ई-रिक्शा की खरीद हुई। उसके बाद सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण की नियमावली बनाई। साथ ही ई-रिक्शा और ई-कार्ट बनाने वाली कंपनी और बेचने वाले डीलर्स के लिए पंजीकरण अनिवार्य

किया गया। साथ ही व्यवस्था की गई कि सिर्फ लिथियम आयन बैटरी से संचालित ई-रिक्शा और ई-कार्ट की बिक्री की जाएगी। पहले से खरीदे जा चुके वाहनों के लिए भी पंजीकरण कराने को कहा गया। बीते करीब एक वर्ष से पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। कई बार पंजीकरण की तिथि को आगे बढ़ाया जा चुका है लेकिन उसके बाद भी पंजीकरण नहीं करा रहे हैं। बताया जा रहा है कि एक लाख 20 हजार से अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत हुए है, जबकि करीब 20-30 हजार के पास पंजीकरण नहीं है। जबकि पंजीकृत हो चुके ई-रिक्शा में से 79 हजार वाहनों ने फिटनेस नहीं कराया है।

500 करोड़ के परिवहन घोटाले का मास्टरमाइंड सूर्यकांत कोर्ट में गिरफ्तार

एनटीवी संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 500 करोड़ के परिवहन घोटाले के मास्टरमाइंड कांग्रेस नेता सूर्यकांत तिवारी को शनिवार को रायपुर कोर्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। वह जान को खतरा बताते हुए सरेंडर करने पहुंचा था, परंतु ईडी ने स्पष्ट कर दिया कि उसकी व्यवस्था में कोर्ट में सरेंडर का प्रविधान ही नहीं है। गिरफ्तारी के बाद में कोर्ट ने उसे 12 दिन की रिमांड पर ईडी को सौंप दिया।

कोर्ट में सरेंडर के लिए पहुंचा था

इस मामले में आइएएस समीर बिश्नोई समेत दो कारोबारियों सुनील अग्रवाल और लक्ष्मीकांत तिवारी को कोर्ट पहले ही जेल भेज चुकी है। वहीं, ईडी दो अन्य आइएएस जयप्रकाश मौर्या और रानू साहू की भी जांच कर रही है।कोयला परिवहन घोटाले का मास्टरमाइंड सूर्यकांत तिवारी शनिवार को दोपहर साढ़े तीन बजे अपने अधिवक्ताओं के साथ अचानक जिला कोर्ट में न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की विशेष अदालत में पहुंचा। उसके अधिवक्ता फैजल रिजवी ने न्यायाधीश से कहा कि उसके पक्षकार को सरेंडर करना है। न्यायाधीश ने सूर्यकांत से पूछा किस मामले में अपराधी हो तो अधिवक्ताओं ने बताया कि ईडी इन्हें ढूंढ रही है। इसके बाद ईडी के वकील बृजेश मिश्रा और रामाकांत मिश्रा को बुलवाया गया। तब तक सूर्यकांत कोर्ट में ही खड़ा रहा। कुछ देर बाद पहुंचे ईडी के अधिवक्ताओं ने न्यायाधीश से कहा कि सूर्यकांत के खिलाफ मनी लांड्रिंग का आरोप है।

कोर्ट ने रिमांड पर भेजा

इसमें सरेंडर का कोई प्रविधान ही नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने केस डायरी मंगवाई। वहीं, ईडी के अधिवक्ता ने गिरफ्तारी पत्रक

मंगवाया। कोर्ट के सरेंडर से इनकार के बाद ईडी ने सूर्यकांत को कोर्ट परिसर से ही गिरफ्तार करने की कागजी कार्रवाई पूरी की। ईडी ने सूर्यकांत से पूछताछ के लिए कोर्ट से 14 दिन की रिमांड मांगी। बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने रिमांड का विरोध कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजने की मांग की। दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद कोर्ट ने 12 दिन की रिमांड स्वीकृत कर दी। साथ ही, आइएएस समीर बिश्नोई, कोयला कारोबारी सुनील अग्रवाल और लक्ष्मीकांत तिवारी (सूर्यकांत के भाई) के साथ सूर्यकांत को भी 10 नवंबर को कोर्ट में पेश करने का आदेश सुनाया।

मेरी जान को खतरा: सूर्यकांत

कोर्ट रूम से बाहर आकर सूर्यकांत तिवारी ने मीडिया से कहा कि उसकी जान को खतरा है। किससे खतरा है, पूछने पर कहा कि अभी नहीं, समय आने पर बताएंगे। उसने कहा कि मैंने कोई अपराध नहीं किया है, न ही मैं कोई राजनीतिक व्यक्ति हूं। न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

जांच में सहयोग का दिलाया भरोसा

सूर्यकांत तिवारी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में आवेदन देकर कहा है कि वह आयकर विभाग द्वारा पूर्व में की गईं कार्रवाइयों में पूरा सहयोग किया था और इस बार भी ईडी की जांच में पूरा सहयोग करेगा। वह अपनी अर्जित आय का पूरा विवरण ईडी को देने में सक्षम हैं।

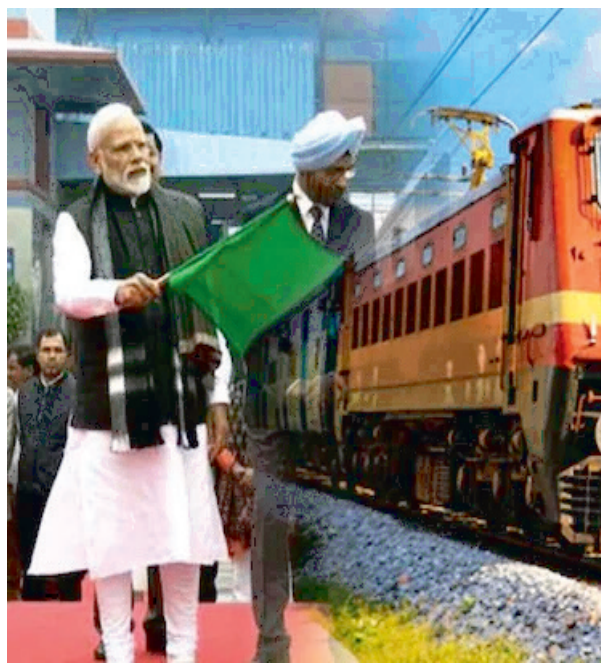

उदयपुर-अहमदाबाद ट्रेन 31 अक्टूबर से दौड़ेगी नए ट्रैक पर

एनटीवी संवाददाता

उदयपुर। अहमदाबाद-उदयपुर आमान परिवर्तन का काम पूरा होने के बाद अब इस ट्रैक पर ट्रेन के दौड़ने की इंतजार की घड़ियां खत्म हो गई हैं. दो दिन बाद 31 अक्टूबर से इस नए ब्रॉडगेज ट्रैक पर ट्रेनें सरपट दौड़ने लगेंगी. गुजरात के असारवा रेलवे स्टेशन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस नई रेल लाइन का उद्घाटन करेंगे और ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे. इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहेंगे. ट्रैक के उद्घाटन के बाद इस पर लंबी दूरी तीन की ट्रेनें दौड़ेंगी. इस रेल लाइन पर ट्रेन चलने से मेवाड़ और वागड़ आंचल की गुजरात के रास्ते दक्षिण भारत तक कनेक्टिविटी हो जाएगी.

उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा ने बताया की शुक्रवार देर रात रेल मंत्री से बात होने के बाद यह तय हो गया है कि 31 अक्टूबर को शाम 6.30 बजे प्रधानमंत्री नई रेल लाइन का उद्घाटन कर ट्रेन रवाना करेंगे. सांसद अर्जुनलाल मीणा ने शुक्रवार को ही रेल मंत्री को पत्र लिखकर जल्द ट्रेन संचालन करने की मांग की थी. ऐसे में अब उनके प्रयास सफल हो गए हैं. जानकारी के अनुसार फिलहाल प्राथमिक तौर पर इस नई रेल लाइन पर तीन ट्रेनों का संचालन किया जाएगा.

नरेंद्र मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

इनमें गाड़ी संख्या 20963 प्रतिदिन सुबह उदयपुर से 5.30 बजे रवाना होकर 10.55 पर असारवा पहुंचेगी. यही ट्रेन वापसी में गाड़ी संख्या 20964 के रूप में असारवा से दोपहर 2.30 बजे रवाना होकर रात 8 बजे उदयपुर पहुंचेगी. इसी तरह उदयपुर से असारवा के बीच दूसरी ट्रेन गाड़ी संख्या 19703 प्रतिदिन उदयपुर से शाम 5 बजे रवाना होकर रात 11 बजे असारवा पहुंचेगी. वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 19704 असारवा से सुबह 6.30 बजे रवाना होकर दोपहर 12.30 बजे उदयपुर पहुंचेगी. उपरोक्त दोनों ट्रेनों का ठहराव उदयपुर सिटी स्टेशन के अलावा उमरडा, जावर, जयसमंद रोड, सेमारी, ऋषभदेव रोड, डूंगरपुर, बिछीवाड़ा, शामलाजी रोड, हिम्मतनगर, प्रांजित, तालोद, नाडोल, देहगाम, नरोड़ा और सरदारग्राम स्टेशन पर होगा.

जयपुर से असारवा वाया उदयपुर भी चलेगी ट्रेन

इस नई रेल लाइन पर जयपुर से असारवा वाया उदयपुर के रूप में भी एक ट्रेन को मंजूरी मिली है. गाड़ी संख्या 12981 जयपुर से शाम 7.35 पर रवाना होकर अगले दिन सुबह 8.45 पर असारवा पहुंचेगी. वापसी में गाड़ी संख्या 12982 असारवा से शाम 6.45 पर रवाना होकर अगले दिन सुबह 7.45 पर जयपुर पहुंचेगी. इस ट्रेन के ठहराव फुलेरा जंक्शन, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, भीलवाड़ा, चंदेरिया, मावली जंक्शन, राणाप्रताप नगर, उदयपुर, जावर, डूंगरपुर, शामलाजी रोड, हिम्मतनगर, नाडोल, देहगांव और सरदार ग्राम रहेगा.

रेलवे बोर्ड ने तीनों ट्रेनों का शेड्यूल पहले ही जारी किया था. उसके बाद ट्रेन संचालन जल्द होने की मांग की जा रही थी. उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा पर भी जनता का दबाव था की जल्द से जल्द ट्रेन चलवाई जाए. ऐसे में उनके द्वारा भी रेल मंत्रालय से कई बार संपर्क किया गया और 31 अक्टूबर को रेल संचालन की तारीख तय कर ली गई है।

राजधानी वासियों के लिए पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने दी सुकून भरी खबर

अवैध निर्माण करने वालों से उगाही न करें पुलिसकर्मी, पुलिस कमिश्नर ने जारी किया आर्डर

एनटीवी संवाददाता

पुलिसकर्मी अवैध निर्माण करने वालों से उगाही न करें बल्कि अगर उन्हें कहीं भी सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण करने की जानकारी मिलती है तो उसकी तस्वीरें खींच कर व बयान आदि लेकर नगर निगम व डीडीए समेत अन्य संबंधित एजेंसियों को सूचित कर दें।

नईदिल्ली। वर्षों से यह कहा जाता है कि राजधानी में अगर कोई अपनी जमीन हो अथवा सरकारी जमीन, कहीं एक ईंट भी बगैर पुलिसकर्मी को रिश्वत दिए नहीं जोड़ सकता है। निर्माण होने की सूचना मिलते ही बीट स्टाफ से लेकर पीसीआर, थाना पुलिस व भूमि से संबंधित एजेंसी के कर्मी वहां टूट पड़ते हैं। कहीं पूरी बिल्डिंग के एक मुश्त पैसे मांगे जाते हैं तो कहीं लेंटर व कहीं स्क्वेयर फूट के हिसाब से पैसों की मांग की जाती है।

22 अक्टूबर को स्टेंडिंग आर्डर जारी

पैसों का भुगतान न करने पर निर्माण कार्य करना असंभव होता है। ऐसे में राजधानी वासियों के लिए पुलिस आयुक्त

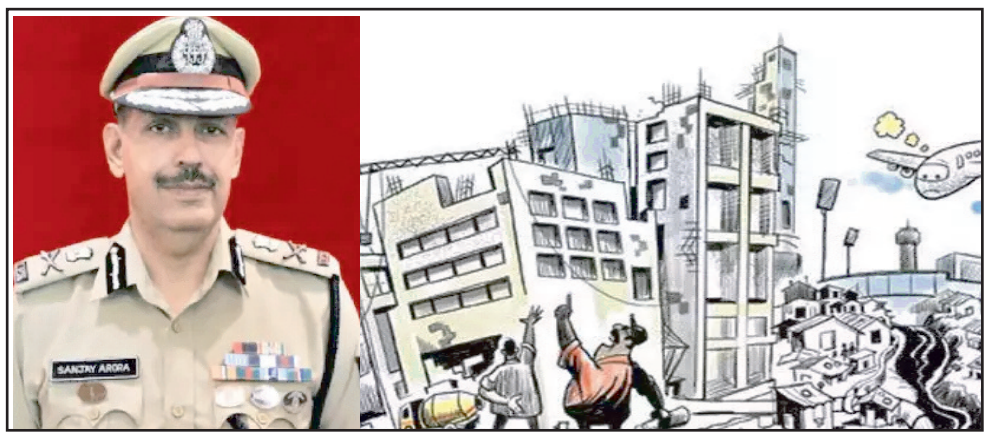

संजय अरोड़ा ने सुकून भरी खबर दी है। उन्होंने विगत 22 अक्टूबर को स्टेंडिंग आर्डर जारी कर कहा है कि पुलिसकर्मी अवैध निर्माण करने वालों से उगाही न करें बल्कि अगर उन्हें कहीं भी सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण करने की जानकारी मिलती है तो उसकी तस्वीरें खींच कर व बयान आदि लेकर नगर निगम व डीडीए समेत अन्य संबंधित एजेंसियों को सूचित कर दें।

सुशासन की अनेकों चुनौतियों में से एक अवैध निर्माण भी शामिल

आदेश में कहा गया है कि आए दिन अवैध निर्माण करने वालों से पुलिसकर्मियों द्वारा उगाही करने संबंधी अनाचरण की शर्मनाक शिकायतें मिलती रहती हैं। इससे देश की सबसे बड़ी पेशेवर पुलिस बल की छवि धूमिल होती है। आयुक्त ने कहा है कि दिल्ली में सुशासन की अनेकों चुनौतियों में से एक अवैध निर्माण भी है। प्राथमिक रूप से यह नगर पालिका व अन्य भूमि नियोजन संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र का मामला है लेकिन राज्य की विधि प्रवर्तन शाखा होने के नाते दिल्ली पुलिस की भी इसके प्रति जिम्मेदारी बनती है।

सामने अतिक्रमण होने पर पुलिस को हस्तक्षेप का अधिकार

कानूनन अवैध निर्माण के संदर्भ पुलिस की भूमिका केवल संबंधित एजेंसियों को सूचना दे देने की है इसके अलावा पुलिस को आगे किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप करने का अधिकार तभी होता है जब संबंधित एजेंसी से अधिकारी की ओर से अवैध निर्माण रोकने, कामगारों को हटाने व निर्माण संबंधी सामग्री को जब्त करने के निर्देश प्राप्त हो। उक्त निर्देश का पालन भी कैसे किया जाए उसके मापदंड निर्धारित हैं। आदेश में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस को उस सूरत में हस्तक्षेप करने का अधिकार है जहां सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की सूचना मिले अथवा अतिक्रमण उनके सामने हो रहा हो।

स्टेंडिंग आर्डर सभी के आचरण में शामिल होना चाहिए

आयुक्त का कहना है कि जनता का कानून और उसके प्रवर्तकों पर विश्वास ही हमारी सफलता की सर्वोत्तम कुंजी है। इस विश्वास के साथ किसी तरह का समझौता बिल्कुल अक्षम्य होगा। बीट, बाजार, आवासीय कालोनियों में तैनात पुलिसकर्मियों को अपनी जिम्मेदारी साफ पता होनी चाहिए। इसमें किसी अपवाद व कोताही की गुंजाइश नहीं होगी। आयुक्त ने कहा कि उक्त स्टेंडिंग आर्डर सभी के आचरण में शामिल होना चाहिए। इसका निरंतर पालन हो। ये सभी अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है। किसी भी चूक के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। ज्ञात रहे इस तरह आदेश कई बार जारी किए जा चुके हैं लेकिन पुलिसकर्मी कुछ दिन बाद ही इसकी अनदेखी शुरू कर देते हैं।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022दर्पण रजिस्टर्ड
कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट
कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

बच्चों में मेंटल डिसऑर्डर के लक्षण:

खेलते कूदते सभी बच्चे एक समान नजर आते हैं। मगर असल में ऐसा होता नहीं है। एक जैसे दिखने वाले बच्चों में बहुत से बच्चे ऐसे भी होते हैं, जो किसी न किसी प्रकार की मानसिक परेशानी का सामना कर रहे होते हैं। जहां कई बार पेरेंट्स के वर्किंग होने के कारण बच्चे डिप्रेशन का शिकार हो जाते है, तो कहीं हर वक्त पेरेंट्स की रोक-टोक के कारण अपना आत्म विश्वास खोने लगता है। ऐसे न जाने कितने ही कारण है, जो बच्चों को मानसिक रोग से ग्रस्त कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि वो कौन से ऐसे संकेत हैं, जो आपको बताएंगे कि कहीं आपका बच्चा मेंटल डिसऑर्डर का शिकार तो नहीं।

एक कोने में अकेले बैठे रहना

कुछ लोग अपने स्वभाव के कारण अकेले रहना पसंद करते हैं। मगर कुछ ऐसे बच्चे भी होते हैं, जो अन्य बच्चों से दूर भागते हैं और एक कोने में बैठकर खेलते हैं। वे दूसरे बच्चों की कंपनी पसंद नहीं करते हैं। कारण माता-पिता बचपन से ही उन्हें दूसरे लोगों से ज्यादा घुलने-मिलने नहीं देते हैं और हर वक्त अपने ही पास रखते हैं। इससे बच्चा अब हर वक्त एकांत खोजता है और अकेले में ही खुशी को तलाशता है। इससे बच्चे का पूर्ण मानसिक और शारीरिक विकास नहीं हो पाता है। बच्चा हर वक्त खुद में ही खोया रहता है और अन्य बच्चों से घुलने मिलने की बजाय पेरेंट्स को अकेले नहीं छोड़ पाता। अक्सर ऐसे बच्चे खाने पीने में भी पेरेंट्स को बेहद परेशान करते हैं।

डरावने सपने देखना

अगर आपका बच्चा सोते-सोते डर जाता है और उसे लगातार डरावने सपने आ रहे हैं, तो ये लक्षण डिप्रेशन की निशानी हो सकते है। अक्सर ऐसे बच्चे कई बार सोने से भी कतराते है, वे शिकायत करते है कि अगर हम सोएंगे, तो हम फिर से सपनों की उसी दुनिया में खो जाएंगे। ऐसे में बच्चों के मन में डर हर वक्त बैठा रहता है।

ज्यादा बात न करना

बच्चे हर वक्त सहमे हुए रहते हैं और हर किसी से बात करने में भी कतराते हैं और कई बार शर्मा जाते हैं। मेहमानों के सामने आने में भी डर का अनुभव करते हैं। इसका बहुत बड़ा कारण घर में लड़ाई झगड़े का माहौल भी हो सकता है जो बच्चों के मन में एक डर का कारण बन जाता है। जब घर के सदस्य एक दूसरे से उंची आवाज़ में बात करते हैं, तो बच्चों का मनोबल कमज़ोर पड़ने लगता है और वो फिर अंदर ही अंदर टूट जाते हैं।

मेहमानों से मिलने में कतराना

घर में अक्सर किसी न किसी का आना जाना लगा रहता है। मगर पेरेंटस को इस बात का विशेष ख्याल रखना चाहिए कि आने वाले मेहमान बच्चों से कैसा बर्ताव कर रहे हैं और पेरेंटस का उनके सामने बच्चों से कैसा बिहेवियर रहता है। अगर आप मेहमानों के सामने बच्चों से बुरा सुलूक करेंगे और उनके सामने बच्चों को नीचा दिखाएंगे, तो जाहिर तौर पर बच्चे मेहमानों से मिलने से कतराने लगेंगे और मानसिक तौर पर परेशान रहने लगेंगे।

हर क्षण थकान महसूस करना

बच्चे बेवजह हर वक्त थके हुए रहते हैं। खेलने में उनका मन नहीं लगता है। दरअसल, जब आप खुद को कमज़ोर समझने लगते हैं और दूसरों से कम आंकते हैं, तो आपकी शारीरिक उर्जा धीरे धीरे खत्म होने लगती है और आप दिनभर मायूस रहने लगते है, जो थकान का एकमात्र कारण साबित हो सकता है।

सिर में दर्द रहना

सिरदर्द एंग्जाईटी की निशानी हो सकता है। अगर बच्चा बार-बार सिरदर्द की शिकायत करता है, तो उसे हल्के में न लें। हो सकता है कि बच्चों की आईसाईट कम हो रही हो, लेकिन अगर आईसाईट ठीक है, तो ये डिप्रेशन के लक्षणों में से एक है। बच्चा जब जरूरत से ज्यादा सोचने लगे और खुद को दूसरों से अलग अलग महसूस करने लगे, तो उस बच्चों में ऐसे लक्षण देखने को मिलते हैं।

बात बात पर गुस्सा हो जाना

अगर पेरेंटस कुछ भी अच्छा या बुरा कहते हैं, तो बच्चे तुरंत रिएक्ट करने लगते हैं। धीरे धीरे वे अपने पेरेंटस को ही अपना दुश्मन मानने लगते हैं। उन्हें हर बात पर अपने पेरेंटस पर गुस्सा आने लगता है, तो उनके स्वास्थ्य के प्रति हानिकारक साबित हो सकता है। ऐसे में बच्चों का मन बहलाने का हर संभव प्रयास करें, कोशिश करें कि उन्हें खुले वातावरण में लेकर जाएं, ताकि उनका मन बहलें और वो खुशी का अनुभव करने लगें।

इंटरनेट की दुनिया में बच्चों को रखें सुरक्षित

इंटरनेट बच्चों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, लेकिन माता-पिता बच्चों को फोन देने से डरते हैं। समय के साथ बच्चों को कदम से कदम मिलाकर चलाने के लिए थोड़ी सतर्कता बरतनी माता-पिता के लिए भी जरूरी है।

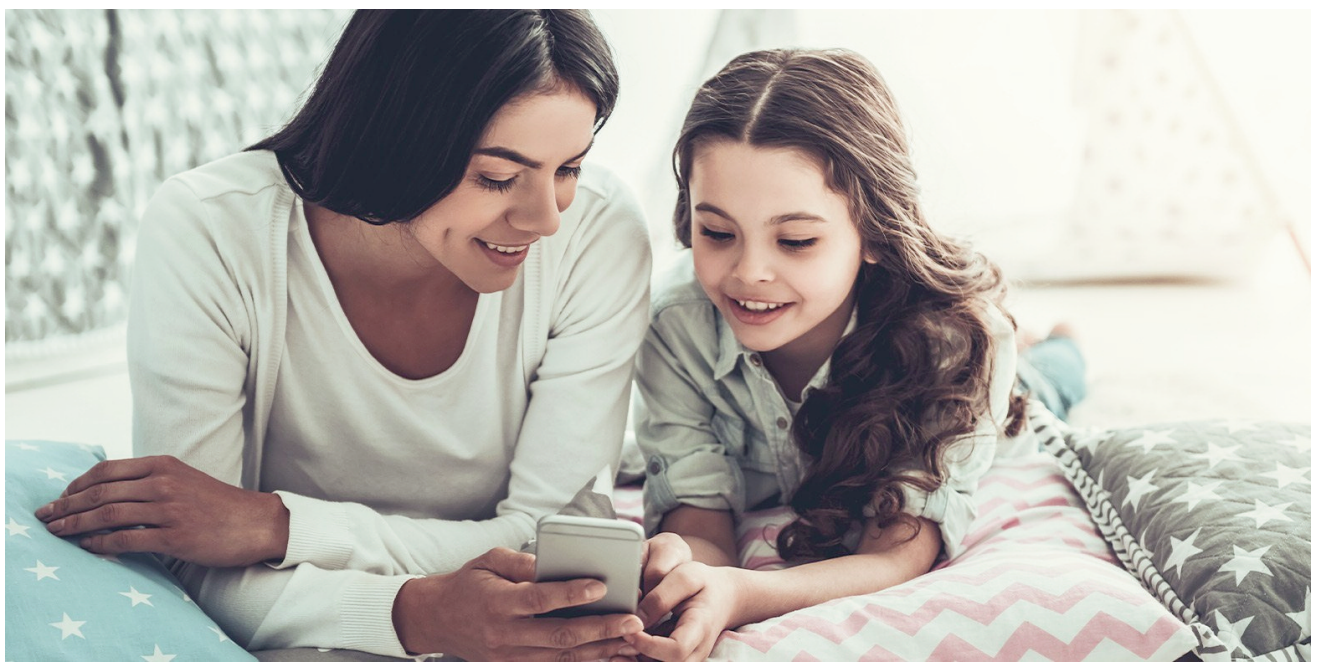

29 वर्षीय रूही की 4 साल की बेटी में आने वाले मेहमानों से टॉफी बिस्कुट पाकर नहीं बल्कि फोन पाकर बेहद खुश हो जाती है। रूही अपने दोस्त गरिमा को बताती है कि मैं अपने बच्चे की आदत से बहुत परेशान हूं। एक बार तो मेरी बेटी ने एक शादी में रिश्तेदार का आईफोन लेने के लिए उनको जोर से मार भी दिया है। उसके इस रवैये से मुझे सबके सामने शर्मदा होना पड़ा। फोन की इस लत को लेकर मैं सबसे इस समस्या का समाधान मांगती हूं। मेरी बेटी बिना फोन देखे खाना भी नहीं खाती है। अगर फोन में इंटरनेट नहीं चलता है तो वह गुस्से में आकर चीजें फेंकने लगती है। अपनी सहेली की बात सुनकर गरिमा भी परेशान हो गई। गरिमा ने उसे कई तरह के सुझाव भी दिए। रूही ने कहा कि मैं अपनी बेटी की इस आदत को सुधारना चाहती हूं। रूही कहती है कि मुझे नहीं पता था बचपन में फोन दिखाने की ये आदत मेरे लिए कितनी मुसीबत बन जाएगी। गरिमा अपनी सहेली को समझाते हुए कहती है कि तू परेशान ना हो। ये समस्या केवल रूही की नहीं आजकल अधिकतर घरों में बच्चे फोन देखकर ही खाना खाते हैं। बच्चे की ये लत एक दिन में नहीं जाएगी। इसके लिए आपको कुछ आदते अपनानी होगी। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के लिए यह टिप्स अपनाएं-

इंटरनेट की दुनिया में बच्चों को रखें सुरक्षित:

बच्चे को फोन पर डराने वाले वीडियो दिखाएं, उसे डराएं। प्यार से बच्चे नहीं समझते हैं।

बच्चों को फोन दिखाने के बजाय टीवी पर वीडियो दिखा सकते हैं।

उनका ध्यान दूसरी तरफ आकृषत करने के लिए उन्हें ऐसे खिलौने दें जो उन्हें पसंद आए।

उनकी रूचि के अनुसार उन्हें दूसरे कामों में व्यस्त रखें।

अपने बच्चे के सामने मोबाइल न चलाएं।

बच्चे जब मोबाइल के लिए जिद करता है तो उसे ना बोले। अपने इस फैसले पर अडिग रहें।

बच्चे जब मोबाइल के लिए जिद करता है तो उसे ना बोले। अपने इस फैसले पर अडिग रहें।

बच्चे के माइंड को डाइवर्ट करने के लिए उनका फेवरेट खाना बनाएं।

बच्चें के लिए डेली रूटीन सेट करें।

पढ़ाई-लिखाई को सबसे पहले, दूसरे नंबर पर खेलकूद और सबसे आखिर में स्क्रीन को समय देना चाहिए।

कोमल मन पर भीषण असर ज्यादा फोन देखने से बच्चे चिड़चिड़े हो रहे हैं और उनकी भूख भी कम हो रही है।

संवाद शैली पर भी असर हो रहा है।

माता-पिता से रिश्ते कमजोर हो रहे हैं।

मूवमेंट डिसऑर्डर की समस्या हो रही है।

बच्चों के हाथों और गर्दन पर भी असर पड़ रहा है।

बच्चों का दिमाग हो रहा है सुस्त।

डिवाइस फ्री डिनर खाना खाते समय डिनर टेबल पर मोबाइल को अपने से दूर रखें। आप अपने घर में आज से ही यह नियम बना लें कि डायनिंग टेबल पर सभी बिना फोन के ही बैठेंगे।

घर में बच्चों को फोन छुड़ाने के लिए बड़ों को भी मेहनत करनी होगी। घर में सभी सदस्य बच्चों के सामने फोन न चलाएं।

अपने बच्चे को स्वस्थ और हेल्दी बनाना चाहते हैं तो अमेरिकन प्रैडयाटिक एसोसिएशन के अनुसार आपके बच्चों का स्क्रीन टाइम 30 मिनट से ज्यादा एक दिन में नहीं होना चाहिए। बच्चों को मोबाइल देखते समय आंख से फोन की दूरी 8 से 10 फीट दूर होनी चाहिए।

बच्चों की रुचि के अनुसार हॉबी क्लास चुनें।

बच्चों को शारीरिक कार्यों में व्यस्त रखें।

बच्चों को वीडियो देखने के बजाय ब्लूटूथ स्पीकर में ऑडियो सुनायें।

बच्चों को कुछ ऐसे कार्य करने के लिए लिए दें और उनसे कहें कि इन्हें समय पर पूरा करेंगे तो उन्हें फोन देखने को मिलेगा

10 साल तक की उम्र के बच्चों को अकेले में इंटरनेट इस्तेमाल न करने दें।

पेरेंटिंग लॉक कैसे लगाएं

बच्चों को फोन से दूर रखना आसान नहीं है और उन्हें दूर रखना भी नहीं चाहिए, लेकिन बच्चों को मोबाइल देने से पहले हर मातापिता को उसमें पैरेंटिंग लॉक लगाकर देना चाहिए। सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर पर जाएं सर्च बार के पास आपको तीन डॉट का ऑप्शन दिखेगा वहां क्लिक करके आप सेटिंग में पेरेंटल कंट्रोल को ऑन कीजिए। ऐसा करते ही आपसे ये पिन मांगेगा। इसमें आपको अपने हिसाब से पिन डालना है जो बच्चों को न पता हो। अब जो स्क्रीन खुलेगी उसमें आप सभी रिसट्रिक्शन सेट कर सकते हैं। कैसी फिल्में, कैसे एप्स, कैसे गेम्स बच्चों के लिए सही हैं वो सभी आप तय करें। बच्चे डाउनलोडिंग को लेकर सावधान भी रहेंगे और आपकी पेरेंटिंग प्रॉब्लम्स में से एक का समाधान भी होगा। आशा है कि ये जानकारी आपके जरूर काम आएगी। अपने बच्चों को इंटरनेट की दुनिया में सुरक्षित रखें।

ब्यूटी कांटेस्ट और आत्मविश्वास

आज के समय में महिलाओं को आत्मनिर्भर होना बेहद जरूरी है। आत्मनिर्भर होने के लिए महिलाओं के पास कई विकल्प होते हैं। जिसमें से के एक विकल्प है, पेजेंट्री यानि की सौंदर्य प्रतियोगिता का। जी हां ये एक ऐसा विकल्प है, जिसमें ग्लैमर रस के साथ-साथ लोकप्रियता भी कदमों को चूमती है। हालंकि इस तरह की प्रतियोगिताओं में कई तरह के उतार चढाव का सामना करना पड़ता है। जिसके लिए खुद को तैयार करना भी जरूरी है। हम जब भी ब्यूटी कांटेस्ट के बारे में सोचते हैं तो सबसे पहले हम एक ऐसी महिला के बारे में सोचते हैं जिसमें 'ब्यूटी विद ब्रेन' और 'ब्यूटी विद पर्पस' का सही तालमेल हो। एक परफेक्ट ब्यूटी क्वीन वही है जिसके अंदर हर तरह से शालीनता हो। जिससे वो अपने आत्मविश्वास को और भी मजबूत कर सकती है।

1. क्या है मानसिकता–

एक तरफ हमारे देश में महिलाओं की स्थिति दिन पर दिन खराब हो रही है, वो हिंसा की शिकार हो रही हैं। वहीं दूसरी तरफ महिलाएं ही हर क्षेत्र में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। अब समय बदल रहा है और साथ में बदल रही है लोगों की मानसिकता भी। बात जब किसी ब्यूटी कांटेस्ट की होती है, तो इससे जुड़े कई सवाल दिमाग में होते हैं। एक ऐसी मानसिकता विकसित होती है कि क्या इससे महिला का आत्मविश्वास सच में बढ़ता है। हालंकि वो बात अलग है कि इसी कांटेस्ट में कई तरह की महिलाएं भी हिस्सा लेती हैं। जिनसे तुलना होना भी आम है। एक सही मानसिकता के साथ महिलाएं पेजेंट में आगे बढ़तीं हैं और अपना नाम करती हैं। जो दूसरों के लिए भी जरूरी है।

2. महिलाओं का बढ़ता है आत्मविश्वास–

सौंदर्य प्रतियोगिता के जरिये महिलाएं अपना आत्मविश्वास तेजी से बढ़ा पाती हैं। महिलाओं के लिए इस तरह की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए एक साथ बहुत से अजनबियों पर विश्वास करना पड़ता है। अगर आप में खुद पर विश्वास करेंगी तो ही आप दूसरों पर विश्वास कर पाएंगी और सामने वाला आपका फायदा भी नहीं उठा पाएगा। ऐसा कहा जाता है कि किसी भी प्रतियोगिता में सकारात्मक विश्वास सबसे अहम हिस्सा है। शोध की मानें तो लगभग 85 प्रतिशत महिलाएं इस तरह से खुद में बदलाव महसूस करती हैं। इससे प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को आत्म सम्मान बढ़ाने में मदद करती हैं।

3. जरूरी नहीं हो शारीरिक शोषण–

टीवी और फिल्मों में हमेशा यही दिखाया जाता है कि फेम और नेम की लालच में महिलाओं के साथ शोषण होता है। लेकिन ब्यूटी कांटेस्ट जैसी प्रतियोगिताओं में आम तौर पर शोषण नहीं होता। किसी भी मंच को साझा करने के लिए आपके अंदर दृढ़ इच्छा शक्ति होनी चाहिए। सौंदर्य प्रतियोगिता ही एक मात्र ऐसा विकल्प है जिसमें हर रंग को जगह दी जाती है। महिलाओं को उनकी मानसिकता और सोच के नजरिये से आंका जाता है। जिसमें कभी कोई बदलाव नहीं हुआ। और ना ही कोई दबाव दिया जाता है।

4. बदला नजरिया–

सौंदर्य प्रतियोगिता के साथ कोई भी इसमें अपने भविष्य की शुरुआत कर सकता है। देखा जाए तो सौंदर्य उद्योग में बदलते मानकों के लिए अब इसका महत्व बढ़ रहा है जो कि सभी प्रतियोगियों के जीवन में बदलाव लायेगा। इस तरह की प्रतियोगिता एक ऐसा फ्रेम है जो आपकी सोच, दुनिया देखने का नजरिया ,आपका व्यवहार और आपके अंदर की नकारात्मकता सब कुछ बदल देती है।

5. मिले कई अवसर-

अगर महिलाएं एक बार किसी प्रतियोगिता को प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाती तो ऐसा नहीं है कि उनको फिर दोबारा मौके नहीं दिए जाते। महिलाओं का आत्मसम्मान बना रहे इसके लिए वो कई और बड़े शोज को प्रतिस्पर्धा करती हैं। यह प्रतियोगिताएं एक ऐसा उद्योग है जिसमें मॉडलिंग उद्योग की तुलना में काफी बदलाव आए हैं साथ ही नये कई बड़े अवसर भी मिलते हैं।

इन छह जगहों पर महिलायें बेफिक्र बिता सकती हैं अपने यादगार पल

पुदुच्चेरी

फ्रेंच द्वारा राज किया गया यह शहर भारत के पूर्वी तट पर स्थित है। यहां पर आप आपको सुंदर बीच और फ्रेंच आर्किटेक्चर का मज़ा ले सकती हैं। स्थानीय आबादी होने के कारण यह जगह महिलाओं के लिए बहुत सुरक्षित है। बीच के आसपास बांस के घर और यूरोपियन स्टाइल का खाना महिलाओं के लिए छुट्टियां मनाने के लिए एक बेहतरीन स्थान है

काज़ीरंगा

उत्तर पूर्वी भारत में स्थित यह शहर महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित स्थान है और अगर आप किसी नेशनल पार्क के रोमांच की खोज में हैं तो यह स्थान आपके लिए सबसे अच्छा है। जिन लोगों को नज़दीकी से वन्य जीवन का अनुभव करना है उनके लिए एक सींग वाले राइनोज से भरपूर यह जगह सबसे उचित है। सरकार द्वारा चलाए जाने वाले पार्क, सभी टूरिस्ट्स के लिए एलीफैंट टूर्स और प्राइवेट टूर्स की सेवा भी देता है।

भारत में स्थित यह शहर महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित स्थान है और अगर आप किसी नेशनल पार्क के रोमांच की खोज में हैं तो यह स्थान आपके लिए सबसे अच्छा है। जिन लोगों को नज़दीकी से वन्य जीवन का अनुभव करना है उनके लिए एक सींग वाले राइनोज से भरपूर यह जगह सबसे उचित है। सरकार द्वारा चलाए जाने वाले पार्क, सभी टूरिस्ट्स के लिए एलीफैंट टूर्स और प्राइवेट टूर्स की सेवा भी देता है।

सिक्किम

सिक्किम एक ऐसा स्थान है जो प्राकृतिक सुंदरता के मामले में सबको पीछे छोड़ देता है। अगर आप भारत की सुंदरता का अनुभव करना चाहते हैं तो आपको इस यहां ज़रूर जाना चाहिए। घाटियों, पहाड़ों और बुद्ध मोनास्ट्री वाला यह शहर बहुत शांत और सूदिंग है। गुरुडोंगमार और ट्समोगो नदी की सुंदरता की तुलना किसी और चीज़ से की ही नहीं जा सकती। जिन लोगों को ट्रैकिंग पसंद है उनके लिए भी। डजोंगरीला, गोइचाला और ग्रीन वैली ट्रैक्स कुछ ऐसे मशहूर ट्रेकिंग स्थान हैं। इस शहर में आप उत्तर पूर्वी इलाके की परम्पराओं और रीति रिवाज़ों का भी अनुभव कर सकती हैं।

मुन्नार

यह शहर सबसे अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यहां के लैंडस्केप्स इस शहर की सुंदरता को दोगुना कर देते हैं। इस जगह पर हरे भरे बैकग्राउंड की तुलना किसी और चीज़ से नहीं की जा सकती। यहां रहने वाले लोगों का स्वभाव सच्चा और परिश्रमी होने की वजह से यह शहर हर किसी के लिए बहुत सुरक्षित है। इस जगह पर बहुत से रिसोर्ट भी हैं, जो सोलो ट्रैवलर्स के लिए अकेले समय बिताने के लिए बहुत अच्छी जगह है।

ज़ीरो वैली

अरुणाचल प्रदेश में स्थित यह जगह सभी लोगों को जीवन में एक बार अवश्य देखनी चाहिए। इस जगह की अनोखे दृश्यों से आपकी नज़र नहीं हटेगी। बड़े-बड़े चावलों के खेतों, ताज़ी हरियाली, पुराने घर और छोटी-छोटी नदियां इस जगह को सपनों जैसे सुंदर बनाती हैं। अगर आपके पास समय हो तो आप इस जगह के रीति रिवाज़ों और उनकी परम्पराओं के बारे में भी स्टडी कर सकती हैं। इस जगह के लोगों का अच्छा स्वभाव, कम भीड़-भाड़ वाले इलाके और सुंदर नज़ारे, महिलाओं को शहर की तनावपूर्ण जिंदगी से दूर ले जाते हैं।

खाज्जियार

भारत में मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाने वाला यह शहर, महिलाओं के लिए एकदम सुरक्षित जगह है। यहां पर पाए जाने वाले हरे-भरे मैदान, बर्फ से ढके पहाड़ देखने में बहुत सुंदर लगते हैं। इस जगह की सुंदरता से ही मुग़ल और राजपूत भी प्रेरित हुए थे। इस हरियाली के बीच में बना नाइन होल गोल्फ कोर्स सभी यात्रियों के बीच बहुत मशहूर है। यहां पर हॉर्स राइडिंग, और पैराग्लाइडिंग जैसे बहुत से विकल्प हैं। अगर आप डलहौज़ी या अन्य किसी आस-पास की जगह पर जा रहे हैं तो आपको खाज्जियार भी ज़रूर जाना चाहिए।

इनसाइड

रोडरेज में बाइक सवार को रॉड और हेलमेट से पीटा

नईदिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर में रोडरेज के दौरान कार सवार युवकों ने बाइक सवार की लोहे की रॉड और हेलमेट से पिटाई कर दी। बाइक सवार के लहूलुहान होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल 32 वर्षीय आजम को अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को पीड़ित के बयान पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। आरोपी दयालपुर इलाके के ही रहने वाले हैं। पीड़ित आजम परिवार के साथ पुराना सीमापुरी इलाके में रहते हैं और मेडिकल स्टोर चलाते हैं। आजम के अनुसार, शाम करीब 7:30 बजे वह बाइक पर अपने दो साल के बच्चे को बैठाकर ससुराल मूंगानगर जा रहे थे। तभी सामने से एक कार आई और उसने बाइक में टक्कर मार दी। तभी कार सवार तीन युवक उतरे और उन्हें गाली देने लगे। उन्होंने विरोध किया तो बाइक पर धक्का मारा। इसके बाद एक युवक ने उन्हें पकड़ लिया और अन्य युवकों ने लोहे की रॉड और हेलमेट से पिटाई शुरू कर दी। इससे उनके नाक और मुंह से खून बहने लगा। किसी तरह उन्होंने अपने एक रिश्तेदार को सूचना दी। वह मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। आजम ने दावा किया कि वह दो आरोपियों को पहचानते हैं, जिनका नाम तनवीर और जावेद है, दोनों दयालपुर के मूंगा नगर के रहने वाले हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

जेल में प्रभाव का दुरुपयोग कर रहे हैं सत्येंद्र जैन : बिधूड़ी

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन पर जेल में अपने प्रभाव का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। बिधूड़ी ने कहा कि मंत्री सत्येंद्र जैन जेल में न केवल सहअभियुक्तों से मिल रहे हैं बल्कि गवाहों से भी उनकी मुलाकातें हो रही हैं। उन्हें जेल में अन्य सुविधाएं भी दी जा रही हैं। जेल अधिकारियों की मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं है। इसलिए दोषी जेल कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। बिधूड़ी ने कहा कि सत्येंद्र जैन अभी भी दिल्ली सरकार के मंत्री बने हुए हैं और 30 मई को गिरफ्तारी से पहले उनके पास जेल विभाग भी था। जेल अधिकारियों के साथ उनके पहले के संपर्क हैं, जिनका वह अवैध लाभ उठा रहे हैं। बिधूड़ी ने कहा कि यह करोड़ों की ठगी करने वाले सुकेश चन्द्रशेखर जैसा ही मामला है जिसने जेल में करोड़ों की रिश्वत देकर सुविधाओं का लाभ उठाया। सत्येंद्र जैन अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गवाहों के साथ उनकी मुलाकात और सहअभियुक्तों से मिलने की घटना की सीसीटीवी फुटेज भी अदालत को मुहैया कराई गई हैं।

एम्स में खत्म होगी अवैध पार्किंग की समस्या

नईदिल्ली। एम्स परिसर में अवैध पार्किंग की समस्या को खत्म करने के लिए निदेशक ने 1 अप्रैल 2023 से सभी पार्किंग स्टीकर को खत्म करने का नोटिस निकाला है। इनके जगहों पर केवल आरएफआईडी स्ट्रीकर ही जारी किए जाएंगे। निदेशक ने 31 जनवरी तक आरएफआईडी गेट लगाने का निर्देश दिया है। इस फैसले के बाद एम्स परिसर में अवैध पार्किंग की समस्या खत्म हो जाएगी। वहीं, मरीजों की सुविधा के लिए शटल सेवाओं को बढ़ाया जाएगा। इस सेवा में महिलाएं, बुजुर्ग, दिव्यांग व जरूरतमंदों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही 50 नए शटल भी लाए जाएंगे, जिनकी मदद से एम्स परिसर में आना-जाना आसान हो जाएगा। इसके अलावा एम्स के मुख्य परिसर में बाहरी लोग वाहन खड़ा नहीं कर सकेंगे। उन्हें मस्जिद मोठ स्थित परिसर वाली पार्किंग में ही वाहन खड़े करने होंगे।

ऑपरेशन लोटस के तहत दिल्ली में भी लोकतंत्र की हत्या की कोशिश-सिंह

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में आज प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुलासा किया था कि ऑपरेशन लोटस के तहत दिल्ली में भी लोकतंत्र की हत्या की कोशिश हो रही है। उस वक्त हमसे इस बात के साक्ष्य मांगे गए। अब तेलंगाना में विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए देकर सरकार गिराने की कोशिश की जा रही थी। जहां पर भाजपा के सिर्फ तीन विधायक हैं, वहां पर भी सरकार गिराने की कोशिश रच रहे हैं।

'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैम्पेन की फ़ाइल एलजी साहब को दोबारा प्रस्तुत करेगी सरकार

***एलजी साहब से निवेदन है कि दिल्ली के लोगों की सांसों पर राजनीति ना करें- गोपाल राय**

इस अभियान का उद्देश्य यह था कि दिल्ली के अंदर बेवजह जो 60 से 70 हजार टन पीएम 10 उत्सर्जित होता है उसे कम किया जाए। दिल्ली में हम बहुत से अभियान चला रहे हैं। हम पूरे दिल्ली में पानी का छिड़काव कर रहे हैं।

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के अंदर बढ़ते प्रदूषण को रोकने के दिल्ली सरकार बहुत सारे कदम उठा रही है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली के अंदर ग्रेप सिस्टम को लागू किया है और एंटी डस्ट कैम्पेन चलाया जा रहा है। बायोमास वर्निंग को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं और पराली से निपटने के लिए बायो डी-कम्पोजर का छिड़काव किया जा रहा है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली में वाहन प्रदूषण को रोकने के लिए पिछले दो सालों से 'रेड लाइट, आन गाड़ी आफ' अभियान चलाया जा रहा था। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस बार दिल्ली के उपराज्यपाल इस जन जागरूकता अभियान को किसी भी कीमत पर शुरू नहीं करने देना चाहते हैं। उपराज्यपाल दिल्ली के लोगों के सांसों के साथ राजनीति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कल तारीखों का बहाना बनाया गया और कहा गया कि एक सप्ताह छुट्टीयां थीं। लेकिन एलजी साहब की मंसा तो इस अभियान को रोकने की थी। कल तक वे कह रहे थे कि इस फाइल में 31 अक्टूबर की तारीख लिखी हुई है। इसलिए फाइल अभी नहीं किया है, लेकिन आज उन्होंने फाइल वापस भेज दी और कहा है कि इसे फिर से सबमिट करिए। इसका सीधा सा मतलब है कि अब रेडलाईट आन गाड़ी आफ अभियान 31 तारीख से शुरू नहीं हो पाएगा। आज बहाना बनाया गया कि पिछले सालों में जब यह अभियान चलाया गया तब इस अभियान का क्या प्रभाव पड़ा, उसका अध्ययन नहीं कराया गया। जब दिल्ली सरकार ने इस अभियान को 2020 में पहली बार चलाया 21 अकटूबर से 21 नवम्बर तक, 2021 में 18 अक्टूबर से 19 नवम्बर तक चलाया गया, तब सारी चीजों को समझकर ही इसको चलाया गया था।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि केन्द्र सरकार के अंतर्गत सीएसआईआर एक संस्था आती है। सीएसआईआर के तहत आने वाली संस्था केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थानक (सीआरआरआई) के वैज्ञानिकों ने 2019 में रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें यह अनुमान लगाया गया था कि दिल्ली में जो 960 रेड लाईट सिग्नल हैं, उस पर 9036 लीटर पेट्रोल/डीजल/एलपीजी और 5461 लीटर सीएनजी प्रतिदिन बर्बाद होता है। इसी प्रकार अर्बन एबीसन उसने पुणे के अंदर ट्रैफिक सिग्नल पर प्रदूषण का रिसर्च किया था और उनके अनुसार पुणे रेड लाईटों पर 17 हजार टन से ज्यादा पीएम 10 उत्सर्जित होता है। दिल्ली में तो पुणे से 4 गुना ज्यादा वाहन है और इस

आधार पर देखे तो दिल्ली में रेडलाईट पर 60 से 70 हजार टन पीएम 10 उत्सर्जित होता है, जो हम बेवहज जलाते हैं।

इस अभियान का उद्देश्य यह था कि दिल्ली के अंदर बेवजह जो 60 से 70 हजार टन पीएम 10 उत्सर्जित होता है उसे कम किया जाए। दिल्ली में हम बहुत से अभियान चला रहे हैं। हम पूरे दिल्ली में पानी का छिड़काव कर रहे हैं। अब एलजी साहब कहेंगे कि पहले यह बताओं कि छिड़काव का क्या प्रभाव होता है नहीं तो हम पानी का छिड़काव नहीं होने देंगे। दिल्ली के अंदर जब सीवियर कंडीशन होती है तो कंस्ट्रक्शन बंद किए जाते है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से ग्रेप लागू किया जाता है। अब एलजी साहब कहेंगे कि पहले यह रिसर्च करों कि इस कंस्ट्रक्शन को बंद करने से क्या प्रभाव होता है नहीं तो हम कंस्ट्रक्शन बंद नहीं होने देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पटाखों पर बैन लगाओं। एलजी साहब कहेंगे कि नहीं पहले रिसर्च दिखाओं कि पटाखों के बैन का क्या प्रभाव होता है, तभी मैं पटाखों के बैन पर साईन करूँगा। दिल्ली के अंदर हम वे सारे प्रयास करते हैं जिनसे प्रदूषण कम होता है। चाहे एंटी डस्ट कैम्पने हो, चाहें वायोमास वर्निंग हो, चाहे कंस्ट्रक्शन पर वैन हो, चाहे बायो डी-कम्पोजर का छिड़काव हो। यह सारे प्रयास इसलिए ही किए जाते है कि जो प्रदूषण के स्रोत हैं उनको कम किया जाए।

दूसरी बात उन्होंने कहा कि सिविल डिफेंस के लोगों को इस अभियान में रेड लाईट पर तैनाती की जाएगी तो उनके सांसों का खतरा है। यह केवल राजनीति है जो दिल्ली के लोगों के सांसों पर की जा रही है। चौराहों पर जब सिविल डिफेंस वालेंटियर लगते हैं तो वे मास्क के साथ तैनात होते हैं। सुरक्षा के साथ लगते हैं। ये वालेंटियर तो केवल इस अभियान के दौरान ही तैनात होते हैं, लेकिन दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के जवानों की ड्यूटी तो हमेशा इन चौराहों पर ही होती है, तो क्या एलजी साहब इन ट्रैफिक पुलिस के जवानों को रेडलाईटों से हटा लेंगे। इस तरह के तर्क को देकर इस फाइल को वापस करना इस बात का सूबूत है कि वे केवल राजनीति कर रहे हैं। लेकिन हमे तो दिल्ली वालों की चिंता है। हम पुनः इस फाईल को, पुटअप करेंगे और हमें विश्वास है कि एलजी साहब इस गंभीर समय में प्रदूषण के मसले पर राजनीति नहीं करेंगे और अपनी सहमति दे देंगे।

यमुना में प्रसाद डालने पर एनजीटी की रोक

प्रदूषण को लेकर भाजपा ने दिल्ली सरकार को फिर घेरा

एनटीवी संवाददाता

एनजीटी ने यमुना में प्रदूषण को देखते हुए नदी में प्रसाद विसर्जित करने पर रोक लगा दी है। वहीं भाजपा नेता मनोज तिवारी ने यमुना में प्रदूषण को लेकर सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है।

नई दिल्ली। यमुना नदी में छठ पर्व मनाने को लेकर प्रशासन ने रोक लगा दी है। इसी कड़ी में रविवार को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने यमुना में प्रदूषण को देखते हुए नदी में प्रसाद विसर्जित करने पर रोक लगा दी है।

यमुना में कराया गया रसायनों का छिड़काव

छठ पूजा के तीसरे दिन, अधिकारियों द्वारा यमुना नदी के पास आईटीओ घाट पर डूबते सूरज और उगते सूरज को अर्घ्य देने के लिए सजावट कराई गई है। एनजीटी कानूनों के अनुसार, पर्व के दौरान किसी भी तरह के प्रसाद को यमुना नदी में विसर्जित करने की अनुमति नहीं है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों ने नदी की सतह पर झाग बनने की समस्या से निपटने के लिए यमुना में रसायनों का छिड़काव कराया है।

बता दें कि छठ पूजा के दौरान दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में रहने वाले भक्त यमुना नदी के पानी में डुबकी लगाते हैं और स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं। छठ को सूर्य देव को समर्पित एकमात्र वैदिक त्योहार माना जाता है। यह प्राचीन हिंदू वैदिक त्योहार मुख्य रूप से भारत में बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है।

प्रदूषण को लेकर भाजपा ने दिल्ली सरकार को फिर घेरा

यमुना नदी में प्रदूषण और घाटों पर तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, ₹जैसे-जैसे प्रदूषण बढ़ता है, सीएम केजरीवाल को छठ पूजा की तैयारी के लिए दिल्ली में रुकना चाहिए था, इसके बजाय वह गुजरात का दौरा कर रहे हैं क्योंकि वह यहां भक्तों की सुविधा नहीं चाहते हैं। अगर उन्हें दिल्ली की चिंता नहीं है, तो उन्हें पंजाब जाना चाहिए और वहां सीएम बनना चाहिए।

भाजपा का आप पर हमला, शहजाद पूनावाला ने दिल्ली की आबकारी नीति को बताया 'आप का पाप'

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर हमला बोला है। शहजाद पूनावाला ने रविवार को आरटीआई आवेदन का हवाला देते हुए दिल्ली सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की नई शराब नीति से सरकारी खजाने को 2500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसे लेकर उन्होंने ट्वीट कर नई आबकारी नीति को 'आप का पाप' बताया।

पिछली शराब नीति ने कमाए थे इतने करोड़: शहजाद पूनावाला ने आरटीआई के नए खुलासे पर आम आदमी पार्टी की खिंचाई करते हुए कहा कि आप की नई शराब नीति से लगभग 2000-2300 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पिछली शराब नीति ने अकेले सितंबर में 768 करोड़ रुपये कमाए थे, जिसका मतलब है कि प्रतिदिन लगभग 25 करोड़ रुपये, जबकि नई नीति 7.5 महीनों में 5,036 करोड़ रुपये कमा सकती थी। मतलब प्रतिदिन 14.4 करोड़ रुपये हुआ। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि नई नीति को प्रतिदिन 8 करोड़ रुपये का नुकसान उठाने के बजाय लाभ अर्जित करना चाहिए था। पूनावाला ने आगे आप सरकार पर पंजाब चुनाव में इस पैसे का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि अब इसका इस्तेमाल गुजरात के लिए किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में जल्द ही चुनाव होने वाले हैं, जिसके लिए राजनीतिक दल जीत दर्ज करने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि जब भी शराब नीति के बारे में सवाल उठाए जाते हैं, तो AAP मामले को मोड़ देती है या ₹पीड़ित कार्ड खेलना₹ शुरू कर देती है।

वीके सक्सेना ने यमुना के पहले बांस-थीम वाला पार्क 'बांसेरा' का किया दौरा

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रविवार को यमुना के पहले बांस-थीम वाला पार्क 'बांसेरा' का दौरा किया और वहां बांस की खेती में हुई प्रगति का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी तट पर एनएच-24 के दक्षिण में यमुना नदी के बाढ़ के मैदान के 10 हेक्टेयर क्षेत्र को बांस का उपयोग करके थीम आधारित बहुउद्देशीय क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार यमुना तट पर आगामी बांसेरा के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। यह देखकर खुशी हुई कि 9 अगस्त को नींव रखे जाने के बाद, बांस के पौधे उगने लगे हैं और परिदृश्य बदलना शुरू हो गया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर तैयार किए जा रहे पार्क के शीघ्र पूरा होने की आशा है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर सांसद मनोज तिवारी हमला बोला

नईदिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने कहा, "जैसे-जैसे प्रदूषण बढ़ता है, मुख्यमंत्री केजरीवाल को छठ पूजा की तैयारी के लिए दिल्ली में रुकना चाहिए था, इसके बजाय वह गुजरात का दौरा कर रहे हैं क्योंकि वह यहां भक्तों की सुविधा नहीं चाहते हैं। अगर उन्हें दिल्ली की चिंता नहीं है, तो उन्हें पंजाब जाना चाहिए और वहां मुख्यमंत्री बनना चाहिए। यमुना नदी की सफाई और छठ पूजा के आयोजन को लेकर राजनीतिक पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के साथ ही दिल्ली सरकार और राजनिवास भी आमने-सामने है। इससे पहले राजनिवास ने मुख्यमंत्री को छठ घाटों पर प्रचार की जगह व्यवस्था सुधारने के लिए कहा था।

दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी ने यमुना के पानी से किया स्नान

दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर भाजपा ने एयर क्वालिटी कमिश्नर से की शिकायत

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के यमुना घाट पर शुक्रवार को पश्चिमी दिल्ली के भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी संजय शर्मा के बीच यमुना में केमिकल डालने को लेकर नोकझोंक हूई। जिसके बाद अधिकारी संजय शर्मा के द्वारा प्रवेश वर्मा के खिलाफ दिल्ली के कालिंदी कुंज थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। वहीं अधिकारी संजय ने यमुना के पानी से स्नान कर दिखाया कि केमिकल डालने के बाद यमुना के पानी में कोई दुष्प्रभाव नहीं हुआ है। दिल्ली जल बोर्ड के डायरेक्टर संजय शर्मा ने बताया कि जब से हम लोग यमुना में झाग को कम करने के लिए केमिकल डाल रहे हैं, तभी से हम यमुना के पानी का सैंपल ले रहे हैं और उसको जांच के लिए लैब में भेज रहे हैं। जांच के बाद यह प्रमाण सामने आया है कि केमिकल डालने के बाद यमुना के पानी में कोई दुष्प्रभाव नहीं हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस केमिकल के डालने के बाद मछलियों में और इंप्रूवमेंट आई है। उन्होंने कहा कि यमुना के पानी में केमिकल डालने के बाद कोई दुष्प्रभाव नहीं हुआ है बल्कि यमुना साफ हुई है।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा यमुना के कालिंदी कुंज यमुना घाट पर गए थे। यहां उनकी यमुना के पानी में झाग खत्म करने के लिए केमिकल का छिड़काव करवाने वाले जल बोर्ड के अधिकारी संजय शर्मा से नोकझोंक हुई। सांसद ने अधिकारी के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हुआ था। अब अधिकारी ने यमुना के पानी से स्नान कर के यह दिखाया है कि यमुना में केमिकल डालने का कोई दुष्प्रभाव नहीं हुआ है।

वायु प्रदूषण को लेकर भाजपा ने एयर क्वालिटी कमिश्नर से की शिकायत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से हालात दिन-ब-दिन खराब होते जा रहे हैं। शनिवार को प्रदूषण के स्तर में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसको लेकर दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने एयर क्वालिटी कमिश्नर से शिकायत की है। उन्होंने प्रदूषण पर लगाम ना लगा पाने का जिम्मेदार दिल्ली सरकार को ठहराया। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में दिल्ली को विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में गिना गया है। दिल्ली में जहरीली हवा में सांस लेने के चलते 22 लाख लोगों के फेफड़े खराब हो रहे हैं।

एयर क्वालिटी विभाग के कमिश्नर को आदेश गुप्ता की तरफ से लिखे गए पत्र में कहा है कि दिल्ली सरकार राजधानी में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर लगाम लगाने में पूरी तरह से फेल साबित हुई है। पिछले साल तक दिल्ली में बढ़े वायु प्रदूषण के स्तर के लिए पंजाब में जलाए जाने वाली पराली को जिम्मेदार ठहराया जाता था, लेकिन अब वहां आम आदमी पार्टी की सरकार है। तब भी वहां पर किसानों को द्वारा बड़ी संख्या में पराली जलाई जा रही है, जो दिल्ली में प्रदूषण के बड़े स्तर का एक प्रमुख कारण है। दिल्ली सरकार की नाकामी के कारण दिल्लीवासियों को जहरीली हवा में सांस लेना पड़ रहा है और कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नोएडा में ड्रोन उड़ाने पर बैन

इस सप्ताह राष्ट्रपति और योगी का आगमन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ग्रेटर नोएडा आगमन पर 1500 पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालेंगे। निजी ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। एक्सपो मार्ट के आस-पास पैरामिलेट्री फोर्स के जवान भी तैनात रहेंगे।

नोएडा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ग्रेटर नोएडा आगमन पर 1500 पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालेंगे। निजी ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। एक्सपो मार्ट के आस-पास पैरामिलेट्री फोर्स के जवान भी तैनात रहेंगे। जिले के हर गोलचक्कर पर आठ से दस पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस आयुक्त आलोक सिंह ने शनिवार रात अपने अधीनस्थों के साथ बैठक की। सभी को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए है।

इंडिया वाटर वीक में आएंगी राष्ट्रपति

दरअसल, राष्ट्रपति मंगलवार को एक्सपो मार्ट में शुरू हो रहे इंडिया वाटर वीक में आएंगी। उनके आगमन से पहले सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को ग्रेटर नोएडा आ जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 1500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। आगरा व मेरठ जोन से पुलिसकर्मी ग्रेटर नोएडा ड्यूटी में आएंगे। इंडिया वाटर वीक में दो हजार से अधिक विदेशी प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

डीसीपी जोन में बांटा

डीसीपी ग्रेटर नोएडा अभिषेक वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम स्थल को तीन जोन में बांटा गया है। हर जोन में डीसीपी स्तर के अधिकारी कमांडर होंगे। यातायात के दबाव को देखते हुए रूट तैयार कर लिया गया है। जाम न लगे, इसके प्रबंध किए जा रहे है।

छठ पर्व के लिए जीटी रोड पर ट्रैफिक डायवर्जन, इन मार्गों पर प्लान लागू

एनटीवी न्यूज

छठ पर्व पर श्रद्धालुओं को परेशानी न हो इसके लिए जीटी रोड पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। यह प्लान 30 अक्टूबर की दोपहर से 31 अक्टूबर को पूजा संपन्न होने तक डायवर्जन लागू रहेगा।

गाजियाबाद। छठ पर्व के लिए आज जीटी रोड पर ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा। मोहननगर से नया बसअड्डा के बीच आवागमन मुख्य रूप से बाधित रहेगा। साथ ही मुरादनगर गंगनहर की ओर भी भारी वाहन नहीं जाएंगे। एसपी ट्रैफिक रामानंद कुशवाहा ने बताया कि 30 अक्टूबर की दोपहर से 31 अक्टूबर को पूजा संपन्न होने तक डायवर्जन लागू रहेगा। लोग रूट देखकर निकलें और वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

इन मार्गों पर किया जाएगा प्लान लागू

नया बस अड्डा से मोहननगर की ओर जाने वाले भारी वाहनों को न्यू लिंक रोड से भेजा जाएगा।

मोहननगर से मेरठ तिराहा की तरफ आने वाले भारी वाहन भी मोहननगर से यूपी-गेट व एनएच-9 होकर जाएंगे। घाट पर अधिक भीड़ होने पर छोटे व दो पहिया वाहन भी मोहननगर से नया बसअड्डा के बीच प्रतिबंधित किए जा सकते हैं।

हरनंदी मोक्ष द्वार और हिंडन पुलिस चौकी से कनावनी की ओर भी यातायात प्रतिबंधित रहेगा। सभी वाहन मोहननगर व एनएच-9 से जाएंगे।

गौड़ ग्रीन सिटी कट एनएच-9 से इंदिरापुरम की ओर कोई वाहन नहीं जाएगा।

गाजीपुर से नहर मार्ग होकर कोई भी वाहन इंदिरापुरम व गौड़ ग्रीन सिटी की तरफ नहीं जाएगा।

डीपीएस सिद्धार्थ विहार से हिंडन रेलवे पुल की तरफ भी कोई वाहन नहीं जाएगा।

भोपुरा से आए सभी वाहन नागद्वार व राजनगर एक्सटेंशन से भेजे जाएंगे।

मेरठ से मोदीनगर व मुरादनगर में भारी वाहन नहीं आएंगे। इन्हें दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे (डीएमई) व एनएच-9 से भेजा जाएगा। इसी तरह मोदीनगर के भारी वाहनों को राज चौपला, हापुड़ रोड से एनएच-9 पर निकाला जाएगा।

राजनगर एक्सटेंशन चौराहा से मुरादनगर जाने वाले भारी वाहन हापुड़ चुंगी से आत्माराम स्टील से एनएच-09 पर जाएंगे।

मेरठ के जानी, नानू की पुलिया से गंगनहर मुरादनगर की ओर भी कोई भारी वाहन नहीं जाएगा।

श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग

मोहननगर से आने वाले वाहन हज हाउस, मेरठ तिराहा से आने वाले वाहन मोक्ष धाम, कनावनी से आने वाले वाहनों को हिंडन रेलवे पुल से पहले बनाई गई पार्किंग और अर्थला से आने वाले वाहन इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी पार्क की पार्किंग में खड़े किए जाएंगे।

गाजियाबाद में पड़ोसी ने रात में 6 वर्षीय बच्ची से की दरिंदगी, ड्यूटी पर गई थी मां

गाजियाबाद में पड़ोसी ने रात में 6 वर्षीय बच्ची से की दरिंदगी, ड्यूटी पर गई थी मां

यातायात संबंधी हेल्प लाइन नंबर

यातायात पुलिस हेल्प लाइन नंबर : 9843322904

यातायात निरीक्षक चतुर्थ अजय कुमार : 9219005151

यातायात निरीक्षक पंचम बीपी गुप्ता : 9899326603

यातायात निरीक्षक मोदीनगर-मुरादनगर योगेश चंद पंत : 8218965363

इनसाइड

रिषदीय स्कूलों में सरल एप से एग्जाम कराने के दावे हो रहे फेल, सितंबर में होनी थी त्रिमासिक परीक्षा

बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि छमाही परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी गई है। शिक्षकों ने छमाही परीक्षा में पूछे जाने वाले सभी विषयों का पाठयक्रम पूरा करा दिया गया है। कक्षा एक से तीन तक के छात्रों का शिक्षक मूल्यांकन भी कर रहे है।

ग्रेटर नोएडा। परिषदीय स्कूल के छात्रों के भविष्य के साथ बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से मौजूदा सत्र में खिलवाड़ किया जा रहा है। शैक्षिक सत्र 2022-23 में समय से छात्रों को किताबें मुहैया नहीं हो पाई। जैसे तैसे सितंबर के अंत तक छात्रों को किताबें मिल पाई। आधे से अधिक शैक्षिक सत्र बीतने को आया है, लेकिन त्रिमासिक परीक्षा का कार्यक्रम अभी तक जारी नहीं हुआ है।

दो मंडलों में होना था परीक्षा का आयोजन

त्रिमासिक परीक्षा सितंबर में प्रस्तावित थी। हर साल छमाही परीक्षा नवंबर के पहले सप्ताह में प्रस्तावित होती है, लेकिन इस बार उसका भी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। बता दें परिषद की ओर से पहली बार परिषदीय स्कूलों के छात्रों की सरल एप के माध्यम से ओएमआर शीट पर परीक्षा होनी हैं। अक्टूबर माह में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर दो मंडलों में परीक्षा का आयोजन होना था।

लखनऊ मंडल के जिलों में सरल एप के माध्यम से ओएमआर शीट पर परीक्षा कराई गई। उसका भी परिणाम सकारात्मक नहीं आ पाया। कई जिलों से परीक्षा के दिन सर्वर डाउन हो गया। शिक्षकों को परीक्षा कराने में काफी परेशानी हुई। वहीं अयोध्या मंडल में भी परीक्षा प्रस्तावित थी, लेकिन दीपोत्सव के कारण परीक्षा को आगे बढ़ा दिया गया।

उसकी भी अगली तारीख अभी तक नहीं आई है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर दो मंडलों को त्रिमासिक परीक्षा के लिए चुना गया था। इन दोनों मंडलों के बाद प्रदेश के अन्य मंडलों में परीक्षा का आयोजन होना था, लेकिन अभी तक एक ही मंडल में परीक्षा का आयोजन हो पाया है। सरल एप से परीक्षा कराने के बेसिक शिक्षा विभाग के दावे फेल साबित हो रहे हैं।

प्रदेश के हर जिले में होनी थी परीक्षा

विभाग की ओर से कहा गया था कि अक्टूबर के अंत तक प्रदेश के हर जिले में परीक्षा संपन्न करा ली जाएगी। अक्टूबर माह के समाप्त होने में दो दिन बचे है और एक ही मंडल में परीक्षा का आयोजन कराया जा सका है। जिले के 511 परिषदीय स्कूलों में अध्ययनरत लगभग एक लाख छात्र परीक्षा का इंतजार कर रहे है। शिक्षकों ने छमाही परीक्षा में आने वाले पाठ्यक्रम को पूरा करा दिया हैं। समय से परीक्षा का आयोजन नहीं होने से मौजूदा सत्र में छात्रों की स्थिति का मूल्यांकन होने में परेशानी हो रही है।

सीने पर लिखे लड़कियों के नाम, आगे लिखा- आईलवयू, युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर-2 में शनिवार सुबह एक युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। पुलिस अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं कर पाई है। उसके सीने पर कई लड़कियों के नाम लिखे (गुदे) थे।

गाजियाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर-2 में शनिवार सुबह एक युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। पुलिस अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं कर पाई है। उसके सीने पर कई लड़कियों के नाम लिखे (गुदे) थे। पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह एक ट्रेन गाजियाबाद की ओर से दिल्ली की तरफ जा रही थी। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर-2 में एक युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसके शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की।

सीने और हाथों पर लिखा था ये

उसके सीने पर कई लड़कियों के नाम लिखे थे और फिर आई लव यू लिखा हुआ लिखा था। दाहिने हाथ पर जय माता दी और ओम लिखा था। बायें हाथ पर त्रिशूल व ओम लिखा था। उसकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। जिले के अलावा आसपास के जनपदों की पुलिस को उसकी तस्वीर व विवरण भेजा गया है। इंटरनेट मीडिया का सहारा लिया जा रहा है।

लोनी बार्डर व लोनी कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक महिला व एक युवक के शव फंदे पर लटके मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट और स्वजन की तहरीर के आधार पर आगे कार्रवाई की बात कही है।

रात में लगाई फांसी

बेहटा हाजीपुर बंद फाटक के पास सागर परिवार के साथ रहते हैं। उनके परिवार में 26 वर्षीय पत्नी मोनिका व दो बच्चे हैं। बृहस्पतिवार रात दंपति में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद दोनों सोने चले गए। सुबह करीब सात बजे सागर सो कर उठे तो मोनिका का शव कमरे में पंखे पर चुन्नी के सहारे लटका मिला। उनके शोर मचाने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। वहीं दूसरी ओर कोतवाली क्षेत्र की प्रेम नगर कालोनी में शुक्रवार सुबह आरिफ(22) का शव कमरे में गार्डर से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि मोनिका की शादी करीब आठ वर्ष पूर्व हुई थी। स्वजन ने हत्या की आंशका जताई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मौका मुआयना कर मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट तहरीर आने पर

नगर निगम के अधिकारी से बोलीं महापौर- कान में मैल है तो निकाल लो, पंप न चला तो तुम्हें चला दूंगी

गाजियाबाद। छह महापर्व की शुरुआत हो चुकी है, श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए अधिकारियों के साथ ही जन प्रतिनिधि भी लगातार छठ घाटों का निरीक्षण कर रहे हैं। शुक्रवार को महापौर आशा शर्मा भी छठ घाट का निरीक्षण करने के लिए पहुंचीं तो घाट में पानी न देख वह नाराज हो गईं, फोन पर उन्होंने नगर निगम के अधिकारी से वार्ता की और उनको हड़काया, जिसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। प्रसारित वीडियो ट्रांस हिंडन के विक्रम एन्क्लेव का बताया जा रहा है। जिसमें महापौर आशा शर्मा ने फोन पर वार्ता के दौरान नगर निगम के अधिकारी से कहा कि एक बार दोनों कानों को खोल लो, अगर मैल है तो उसमें से निकाल लो। अगर आज ये छह बजे तक पंप नहीं चला तो मैं तुमको इसमें चला दूंगी। अरे, छठ का प्रोग्राम है। आज इनका शुरू हो गया कार्यक्रम, कल और परसो दो दिन का त्योहार है इनका।

महापौर का आया बयान

महापौर आशा शर्मा का कहना है कि छठ के लिए सिर्फ घाट बनाने से कुछ नहीं होता, उसमें पानी भी होना चाहिए। जिससे कि श्रद्धालु पूजा अर्चना कर सकें। निरीक्षण के दौरान मैंने घाट में पानी नहीं देखा तो नगर निगम के अधिकारी को फोन किया, उन्होंने दिक्कत बताई तो कड़े शब्दों में कहा कि घाट में पानी की व्यवस्था करो, वरना मैं तुम्हारे खिलाफ एक्शन लूंगी। मेरा उद्देश्य श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था बेहतर कराना था, अगर सख्ती न करती तो घाट में पानी की व्यवस्था न होती।

छठ पूजा को लेकर कालिंदी कुंज के पास ट्रैफिक डायवर्जन लागू, भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

छठ पूजा के चलते रविवार को कालिंदी कुंज के पास ट्रैफिक कुछ बदला रहेगा। यातायात पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया है। इसके साथ ही महामाया फ्लाईओवर से कालिंदी कुंज जाने वाले मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

नोएडा। छठ पूजा के मद्देनजर यातायात पुलिस की ओर से रविवार दोपहर दो बजे से रात आठ बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। महामाया फ्लाईओवर से कालिंदी कुंज जाने वाले मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी।

महामाया फ्लाईओवर से कालिंदी कुंज होकर सरिता विहार दिल्ली की तरफ जाने वाले मार्ग, हरनंदी पुल कुलेसरा पर भारी वाहनों के लिए डायवर्जन की व्यवस्था प्रभावी होगी।

जहां जहां भी घट बने है वहां यातायात पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। जिससे छठ वृतियों को परेशानी और जाम का समाना नहीं करना पड़े। डीसीपी ने कहा कि किसी प्रकार की समस्या होने लोग हेल्पलाइन नंबर 9971009001 पर फोन कर सकते हैं।

ऐसा रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन

महामाया फ्लाईओवर से सरिता विहार होकर दिल्ली जाने वाले कालिंदी कुंज मार्ग व हिंडन पुल कुलेसरा पर भारी वाहनों का डायवर्जन किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा की तरफ से आने वाले भारी वाहनों को चरखा गोलचक्कर से डायवर्जन किया जाएगा। वाहन चालकों डीएनडी, चिल्ला होकर दिल्ली जाना होगा। आवश्यकता पड़ने पर हल्के वाहनों का भी डायवर्जन किया जाएगा।

महामाया फ्लाई ओवर के ऊपर सेक्टर 37 की तरफ से आने वाले मार्ग पर आवश्यकता पड़ने पर भारी वाहनों का डायवर्जन फ्लाईओवर समाप्ति पर गोशाला गोलचक्कर से चरखा गोलचक्कर की ओर किया जाएगा।

आवश्यकता पड़ने पर हल्के वाहनों का भी डायवर्जन किया जाएगा।

हरनंदी कुलेसरा पर सूरजपुर की ओर से फेज-2 जाने वाला भारी यातायात आवश्यकता पड़ने पर कच्ची सड़क तिराहा से किसान चौक की ओर डायवर्ट किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर हल्के वाहनों का भी डायवर्जन किया जाएगा।

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

ऑटोमोबाइल विशेष

इनसाइड

इन आसान टिप्स से घर पर कर सकते हैं बाइक की सर्विसिंग, नहीं होगी परेशानी

अगर आप अपने रोजाना लाइफ में इतने व्यस्त हो चूके है कि आपके पास अपनी बाइक को सर्विसिंग कराने का टाइम नहीं है तो आज हम कुछ टिप्स लेकर आए है जिसे पढ़कर आप घर पर ही अपनी बाइक को सर्विस कर सकते है।

नई दिल्ली। कई बार हमारे पास इतना समय भी नहीं होता कि हम अपनी बाइक को सर्विस सेंटर पर जाकर सर्विसिंग करा ले, लेकिन आज हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए है जिसे जानकर आप घर पर ही अपनी बाइक को सर्विस कर सकते है।

टायर में एयर प्रेशर को चेक करें

हमेशा समय समय पर अपनी बाइक के टायर्स में एयर प्रेशर को जरूर चेक करें और इसे अपने डेली के आदत में शामिल कर लें। टायर में इतना ही हवा डाले जितने की आवश्यकता है। इसे करने से आपकी बाइक अच्छी परफॉरमेंस देगी और अगर संभव हो सके तो टायर में नाइट्रोजन एयर का भी इस्तेमाल करें।

इंजन ऑयल बदले

वैसे तो इंजन ऑयल को सर्विस सेंटर पर जाकर ही बदलवाना चाहिए, लेकिन आप इसे अपने घर पर भी बदल सकते है। सबसे पहले आप यह देख लें कि यह काला तो नहीं पड़ रहा और ये भी देखे कि ऑयल की मात्रा कम तो नहीं है अगर इन दोनो में से कुछ भी सामने आये तो घर पर आप ऑयल को बदल सकते है। सबसे पहले आप बाइक को 5 मिनट के लिए स्टार्ट करें और फिर बंद कर दें। ऑयल गर्म होकर लाइट हो जाएगा।

एयर फिल्टर को बदलें

एयल फिल्टर की सफाई काफी जरुरी होती है। इसको बदलने के लिए फिल्टर के कवर को खोल कर उसे निकालें और फिल्टर बॉक्स को पेट्रोल से ठीक से धो लें ताकि उसमें गंदगी न रहे। इसके बाद नया फिल्टर को लगा दें।

चेन की सफाई करें

अगर आप रोजाना बाइक चलाते है तो उस समय उसकी चेन में काफी गंदगी जमा हो जाती है। इसलिए इसकी सफाई भी जरुरी होती है। आप ब्रश की मदद से चेन को साफ कर सकते है। अगर आपके चैन सेट पर कवर होता है तो उसे हटायें। पूरी गंदगी साफ होने के बाद चेन में ल्यूब्रिकेंट डालें। लेकिन चेन पर ग्रीस का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इसकी वजह से गंदगी ज्यादा चिपक जाती है।

अचानक बाइक का साइलेंस फट जाए तो क्या करें? ये टिप्स आसान बनाएगी आपकी राह

बाइक का सायलेंसर अचानक फड़ जाए तो सबसे पहले आप अपने बाइक को सड़क के किनारे किसी सेफ जगह पर खड़ी करें और बाइक के इंजन को बंद कर दें। उसके बाद बाइक की अच्छी तरह से रेकी करें और सुनिश्चित करें कि सायलेंसर का कौन सा हिस्सा फटा है।

नई दिल्ली। सायलेंसर बाइक का एक अहम पार्ट होता है। इसका गाड़ी के इंजन से उत्पन्न घुंआ को बाहर की ओर निकालना है। आज इस खबर में सायलेंसर से जुड़े कुछ अहम बातों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां हम आपको बताएंगे अगर अचानक मोटरसाइसिकल का सायलेंसर फट जाता है तो फौरन क्या करना चाहिए। ताकि, आप सेफ राइड का आनंद ले सकें। अमूमन बहुत ही कम ऐसे केस देखने को मिलते हैं, जहां मोटरसाइकिल का सायलेंसर फट जाता है। हालांकि आपको इसके लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए बाइक का सायलेंसर अगर अचानक फड़ जाए तो सबसे पहले आप अपने बाइक को सड़क के किनारे किसी सेफ जगह पर खड़ी करें और बाइक के इंजन को बंद कर दें। उसके बाद बाइक की अच्छी तरह से रेकी करें और सुनिश्चित करें कि सायलेंसर का कौन सा हिस्सा फटा है। अगर सायलेंसर का आखिरी छोर यानी पीछे का 2-3 इंच के बीच कहीं फटा है तब तो कई बात नहीं आप इसको आसानी से किसी मकैनिक से ठीक करवा सकते हैं।

फोर्ड फिएस्टा का प्रोडक्शन जल्द होने वाला है बंद, कंपनी इलेक्ट्रिक व्हीकल पर कर रही फोकस

इसकी बिक्री अभी भी यूके जैसे कुछ बाजारों में मजबूत हो रही है जहां यह शीर्ष 10 सबसे अधिक बिकने वाली कारों में शामिल है। इंडियन मार्केट में Ford Fiesta पहली बार 1999 में Ikon सेडान के रूप में भारत आई थी जो वास्तव में चौथी पीढ़ी की Fiesta थी।

नई दिल्ली। कई सालों से ग्लोबल स्तर पर लोगों के दिलों में राज कर रही है। हालांकि, अब इन गाड़ी का प्रोडक्शन हमेशा के लिए बंद होने वाला है। Ford Fiesta लगभग 47 सालों से प्रोडक्शन में हैं। इन 47 सालों में फोर्ड के इस मॉडल की 18 मिलियन से अधिक यूनिट्स की बिक्री हो चुकी है।

कंपनी 2023 की गर्मियों में इस गाड़ी का प्रोडक्शन बंद कर देगी। फोर्ड को आखिरी बार साल 2021 में नया अपडेट मिला था। फोर्ड ने घोषणा की है कि वह वैश्विक बाजारों में अपने अस्तित्व के 46 वर्षों के बाद वैश्विक फिएस्टा मॉडल लाइन को बंद कर रही है। 2023 यूरोप में हैचबैक के लिए अंतिम उत्पादन वर्ष होगा, क्योंकि फोर्ड का इस समय पूरा फोकस इलेक्ट्रिक व्हीकल पर है।

इन ग्राहकों का नहीं होगा नुकसान

सभी Ford Fiesta ग्राहक वाहन जो पहले ही ऑर्डर किए जा चुके हैं उन्हें बनाया और डिलीवर किया जाएगा। हालांकि, उन गाड़ियों की कितने समय सीमा के भीतर डिलीवर किया जाएगा इसकी कोई आधिकारिक सूचना नहीं है। हालांकि, कंपनी ने अपने सभी डीलरों को इंटरनल मेल के जरिए नई जानकारी दी है, जहां डीलर उन ग्राहकों को पूरा सपोर्ट करेंगे। इसके अलावा, फिएस्टा के प्रोडक्शन को बंद करने के साथ कोलोन प्लांट में आईसीई इंजन के प्रोडक्शन को भी चरणबद्ध रूप से समाप्त कर दिया जाएगा।

बैटरी स्वैपिंग मशीन का इस्तेमाल हुआ तेज

जबकि कार निर्माता ने स्पष्ट रूप से बंद करने का कारण नहीं बताया है। इसकी बिक्री अभी भी यूके जैसे कुछ बाजारों में मजबूत हो रही है, जहां यह शीर्ष 10 सबसे अधिक बिकने वाली कारों में शामिल है। इंडियन मार्केट में Ford Fiesta पहली बार 1999 में Ikon सेडान के रूप में भारत आई थी, जो वास्तव में, चौथी पीढ़ी की Fiesta थी। यह अपने शक्तिशाली 1.6-लीटर पेट्रोल इंजन विकल्प और फन-टू-ड्राइव डायनामिक्स के साथ जल्दी ही लोगों की पसंद बन गई थी।

लाल बत्ती पर गाड़ी बंद रखने के कई फायदे

नई दिल्ली। रेड लाईट पर गाड़ी खड़ी करना अनिवार्य है अगर आप रेड लाइट जंप करते हैं तो आपको भारी चलाना का सामना करना पड़ सकता है। रेड लाइट पर जब भी आप गाड़ी खड़ी करते हैं उस समय अगर आप अपनी गाड़ी के इंजन को बंद कर देते हैं तो आपको कई फायदे मिलने वाले हैं, जिसको इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं। इससे न केवल आपकी गाड़ी मेंटेन रहेगी बल्कि आप पर्यावरण को भी सुरक्षित रखने में मदद करेंगे। लाल बत्ती पर गाड़ी को बंद करने का जो सबसे बड़ा फायदा है वो यह है कि इससे आपकी ईंधन की बचत होती है और साथ ही गाड़ी अच्छा माइलेज भी देने लगती है। इसके साथ साथ आप शो- शराबे से भी बचे रहेंगे।

लाल बत्ती पर इंजन बंद करने के फायदे

एक तरह से देखा जाए तो भले ही कुछ सेकेंडों के लिए आप अपनी गाड़ी को रेड लाइट पर बंद करते हैं लेकिन उस से ईंधन के साथ साथ आप पर्यावरण को भी संरक्षित करने में मदद करते हैं। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो, अगर आप किसी शहरी इलाके में रहते हैं और आप 5 किलोमीटर का सफर तय करते हैं तो उस दौरान हो सकता है कि आपको कम से कम 5 या 6 रेड लाइट जरूर मिले। इन रेड लाइट पर गाड़ी खड़ी करना अनिवार्य है, वहीं अगर आप अपने गाड़ी के इंजन को बंद कर देते हैं, तो गाड़ी से निकलने वाला धुंआ बंद हो जाएगा जिससे आप पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं।

सर्दी में जल्दी आपके कार की बैटरी खराब ना हो तो अपनाएं ये टिप्स, वरना होगा

सर्दी के मौसम ने अब धीरे-धीरे अपना दस्तक देना शुरू कर दिया है भले ही दिन में टेंपरेचर ठीक-ठाक है लेकिन रात में ठंड लगने लगती है। ठंड के दिनों में कार में भी कई तरीके की परेशानी देखने को मिल सकती है ।

नई दिल्ली। ठंड के मौसम में अगर आपके कार की बैटरी पुरानी है तो उसे स्टार्ट करने में कई तरीके की प्रॉब्लम आती है कई बार तो जिन कारों की बैटरी नहीं होती है उन्हें भी प्रॉब्लम आने लगती है ऐसे में कार के बैटरी का अधिक ध्यान रखना काफी जरूरी हो जाता है। आपको इस तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े इसलिए आज हम आपको कुछ जरुरी टिप्स देने का रहे हैं।

कुछ समय का करें इंतजार

अगर पहली बार चाबी घूमने पर कार स्टार्ट नहीं होती है तो आप 4 से 5 मिनट तक का ब्रेक ले। उसके बाद ही कार को स्टार्ट करने का प्रयास करें क्योंकि आपको बता दे शुरुआत में स्टार्टर मोटर ज्यादा करंट खींचती है और शायद पहली बार में बैटरी उतना करंट न दे पाए इसलिए लगातार कोशिश करना अपना बेकार है कुछ समय बाद ही कार को स्टार्ट करने की कोशिश करें।

रात में एक बार चेक करें

हमेशा इस बात का जरूर ख्याल रखें कि रात में कार गैरेज में पार करते समय कार के सभी स्विच चेक कर ले क्योंकि कार के लाइट ऑन छूटने के बाद सुबह तक पूरी बैटरी डाउन हो जाएगी यह सावधानी आपको हर मौसम में बरतनी चाहिए।

टायर का ट्यूब भी आ सकता है काम

अचानक बाइक का साइलेंस फट जाए तो क्या करें? ये टिप्स आसान बनाएगी आपकी राह

फ्यूल टंकी रखें फुल

सर्दी के मौसम में ठंड के कारण फ्यूल पंप पर पानी जमा हो जाता है ऐसे में अगर कार की फ्यूल टंकी फुल रखेंगे तो आपकी गाड़ी बीच में कभी बंद नहीं होगी।

लीक हुए जीव ऐवेंजर पेट्रोल वेरिएंट के फीचर्स,जानें क्या है इस गाड़ी में खास

भारतीय बाजार में इस महीने के शुरुआत में जीप ने एवेंजर एसयूवी की तकनीकी विशिष्टताओं का खुलासा किया है।अगले साल की शुरुआत में ये कार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बिक्री के लिए जाने लगेगी। वहीं एवेंजर ईवी वाहन निर्माता कंपनी के लिए पहला इलेक्ट्रिक वाहन है।

नई दिल्ली। आज हम आपके लिए भारतीय बाजार में अगले महीने आने वाली जीप एवेंजर एसयूवी की खास बातों को लेकर आए है। जो लॉन्च से पहले ही लीक हो चूकी है। अगले साल की शुरुआत में ये कार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बिक्री के लिए आएगी।

इंजन

जाप एवेंजर का आईसीई वेरिएंट 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन होगा जो 100 बीएचपी की पावर जनरेट करेगी। इसके मोटर को एक मैनुअल ट्रांसमिशन से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही इसमें एवेंजर के ब्रांड को छह ऑफ-रोड मोड जैसे इको, नॉर्मल, स्पोर्ट, स्नो, सैंड और मड मिलते है।

बैटरी

कंपनी ने इस कार में 54kWh बैटरी पैक का इस्तेमाल किया है जो इलेक्ट्रिक मोटर्स को 154bhp और 260Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। कई ड्राइविंग स्थितियों के बेस्ड पर इसे एक बार चार्ज करने पर ये 400 से 550 किमी की इलेक्ट्रिक ड्राइविंग रेंज देने का दावा करता है।

डिजाइन

पेट्रोल से चलने वाली जीप एवेंजर, एवेंजर ईवी के समान होगी। ये सात-बॉक्स फ्रंट ग्रिल के साथ दोनों तरफ चौकोर एलईडी हेडलैम्प्स को भी सपोर्ट करेगा। इसमें 18-इंच के अलॉय व्हील्स, डुअल-टोन पेंट स्कीम और स्मोक्ड टेल लैंप्स पर 'X' पैटर्न जैसी चीझो को कंपनी ने बरकरार रखा है।

फीचर लिस्ट

इसके केबिन के अंदर एक फ्री-स्टैंडिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एक डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और पावर्ड फ्रंट सीट होगाजीप इंडिया 11 नवंबर को स्थानीय रूप से असेंबल की गई ग्रैंड चेरोकी को लॉन्च करने की पूरी तैयारी में है।

आजादी का अमृतकाल और अखंड भारत के स्वप्न का विस्तार

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

सरदार पटेल ने ब्रितानी हुकूमत की अमानवीय बेगार प्रथा समाप्त कराने के बाद 1918 में खेड़ा के किसानों के लिए सत्याग्रह किया। किन्तु सरकार ने कर वसूली स्थगित नहीं की। पटेल ने शांतिपूर्ण ढंग से संघर्ष का आह्वान किया और किसानों का विश्वास अर्जित करते हुए स्वयं विदेशी वस्तुओं का त्याग किया और धोती, कुर्ता और टोपी पहन किसानों के बीच साथ में बैठ संघर्ष किया.....

संपूर्ण भारत के लिए अदम्य शक्ति और फौलादी संकल्प के महानायक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल आधुनिक भारत निर्माण के मुख्य शिल्पकार हैं। उन्होंने 565 देसी रियासतों का स्वतंत्र भारत में एकीकरण कर राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की। इनके अतुल्य योगदान के बिना भारतीय मानचित्र का भव्य स्वरूप आज जैसा है वैसा दिखाई नहीं देता। उनके समग्र अवदान को कृतज्ञ राष्ट्र राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में नमन कर रहा है। वल्लभ भाई का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाड में हुआ था।

सरदार पटेल ने ब्रितानी हुकूमत की अमानवीय बेगार प्रथा समाप्त कराने के बाद 1918 में खेड़ा के किसानों के लिए सत्याग्रह किया। किन्तु सरकार ने कर वसूली स्थगित नहीं की। पटेल ने शांतिपूर्ण ढंग से संघर्ष का आह्वान किया और किसानों का विश्वास अर्जित करते हुए स्वयं विदेशी वस्तुओं का त्याग किया और धोती, कुर्ता और टोपी पहन किसानों के बीच साथ में बैठ संघर्ष किया । अंततः वे दृढ़ संकल्प के कारण अपने उद्देश्य में कामयाब हुए। गांधीजी ने कहा यदि मुझे वल्लभभाई न मिले होते तो जो काम आज हुआ है वह नहीं होता। सन 1928 में सरदार पटेल के नेतृत्व में बारदोली में सत्याग्रह प्रारंभ हुआ। इसकी वजह यह थी कि अंग्रेजों ने 1927 में किसानों पर 30 फीसदी लगान बढ़ा दिया था। पटेल ने किसानों में अद्भुत साहस का संचार किया और किसानों की संगठन शक्ति के समक्ष अंग्रेज सरकार कमजोर पड़ी और बढ़े हुए लगान को माफ कर दिया।इस आंदोलन की चमत्कारी कामयाबी से देशवासियों में नया आत्मविश्वास, स्वाभिमान, आशा और चेतना का संचार हुआ। गांधीजी ने आंदोलन की सफलता पर बारडोली के जननायक को सरदार कहकर संबोधित किया। तभी से वे समस्त भारतीय हृदय के सरदार हो गए ।

सरदार पटेल बापू के सजग अनुयायी थे किंतु अंधभक्त नहीं। उन्होंने गांधी के सभी आंदोलनों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया । असहयोग, स्वदेशी, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन, भारतीय ध्वज फहराने पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून के विरुद्ध नागपुर में झंडा सत्याग्रह, नमक सत्याग्रह , रौलट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह आदि में सरदार की संचालक और प्रबंधकीय भूमिका ने स्वाधीनता संघर्ष के फलक को व्यापक कर उसे नई ताकत दी और देशवासियों के स्वाभिमान को जागृत किया। जनसेवक और समाज-सुधारक के रूप में अस्पृश्यता निवारण, जातिगत भेदभाव, नशा मुक्ति, महिला मुक्ति, बोरसद तालुका को खुंखार डाकू के आतंक से मुक्ति गुजरात विद्यापीठ की स्थापना, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, सत्याग्रह पत्रिका का प्रकाशन, सहकारी आंदोलन का मार्गदर्शन, कल्याणकारी राज्य, निवेश आधारित विकास और बाहरी संसाधनों पर निर्भरता कम करने की वकालत, भीषण बाढ़, अकाल, प्लेग महामारी आदि के समय स्वयं बीमार होते हुए पीड़ितों की सेवा उनके श्रेष्ठतम रचनात्मक कार्यों का प्रमाण है।

अंग्रेजों ने कूटनीति से भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 में 'लैप्स आफ पैरामाउंसी' से यह स्वतंत्रता दे दी कि वे चाहें तो आजाद रह सकते हैं अथवा भारत-पाकिस्तान किसी भी देश में अपना विलय कर सकते हैं । निसंदेह अंग्रेजों का यह षड्यंत्र अखंड भारत के निर्माण में लाइलाज नासूर के रूप में काम करता यदि सरदार पटेल ने दृढ़ता पूर्वक अपनी विलक्षण बुद्धि, अनोखी सूझ बूझ, दूरदर्शिता, आवश्यकतानुसार साम दाम दंड भेद की नीति तथा अंतिम विकल्प के रूप में बल प्रयोग कर जूनागढ़, हैदराबाद और कश्मीर जैसी रियासतों को भारत में सम्मिलित नहीं किया होता। वस्तुतः भारत की आजादी की घोषणा के साथ ही अधिकांश रियासतों ने यह अर्थ लगा लिया कि अब वे संप्रभुता संपन्न राज्य हो जाएंगे। 12 जून 1947 को त्रावणकोर राज्य ने बाद में हैदराबाद निजाम ने अपने स्वतंत्र अस्तित्व की घोषणा कर दी ।

सरदार पटेल के मन में पूर्व से ही एक अखंड भारत का स्वप्न था। उन्होंने संदेश में कहा- हमारी खंडित अवस्था और एक होकर मुकाबला न करने की हमारी अयोग्यता का ही परिणाम था कि भारत को आक्रमणकारियों का शिकार होना पड़ा। हम सभी रक्तभावना और हितों की समानता से बंधे हैं। हमें कोई भी खंडों में विभाजित नहीं कर सकता । ऐसी रुकावटें जो पार नहीं की जा सकें हमारे बीच खड़ी नहीं की जा सकतीं। चार दिन बाद विदेशी सरकार चली जाएगी । आपके राज्यों की भीतरी अशांति को दूर करने का केवल एक ही उपाय है कि आप अपने अपने राज्यों को भारत सरकार के नियंत्रण में सौंप दे। अन्यथा उनके साथ कठोर व्यवहार किया जाएगा। सरदार

पटेल की चेतावनी का व्यापक असर हुआ और उनके अथक प्रयासों से 14 अगस्त तक तीन रियासतों को छोड़कर लगभग सभी रियासतें भारत में सम्मिलित हो गईं।

सरदार पटेल ने कतिपय रियासतों के उनके निकटवर्ती राज्यों में मिला दिया कुछ को भारत सरकार के सीधे नियंत्रण में ले लिया और कुछ को परस्पर मिलाकर एक नए संघ का रूप देकर स्वाधीन भारत को एकता के सूत्र में संगठित कर आधुनिक भारत के निर्माण का स्वप्न साकार कर दिया। यद्यपि जूनागढ़ नवाब ने जूनागढ़ को पाकिस्तान में विलय करने का ऐलान कर दिया वहां की प्रजा ने खुलेआम बगावत कर दी। इसके बाद पाकिस्तान से किसी प्रकार की सहायता न मिलने के कारण अकूत संपत्ति के साथ वह पाकिस्तान भाग गया और 9 नवंबर को जूनागढ़ का भारत संघ में विलय हो गया।

दूसरी बड़ी रियासत हैदराबाद थी जो स्वतंत्र रहना चाहती थी। किंतु पटेल ने इसे अस्वीकार कर दिया। निजाम ने षड्यंत्र रचने शुरू कर दिए । भारत की आजादी के समारोह में भाग लेने वाली निर्दोष जनता पर अत्याचार प्रारंभ किए और भारत की अनुमति के बिना पाकिस्तान को 20 करोड़ रुपये का ऋण दे दिया। निजाम ने धमकी दी कि हैदराबाद में यदि हस्तक्षेप होगा तो वहां हिंदुओं की लाशों के अतिरिक्त कुछ नहीं मिलेगा। हैदराबाद के हालात बहुत ज्यादा बिगड़ने पर सरदार पटेल ने पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद जनरल चौधरी के नेतृत्व में 'ऑपरेशन पोलो' के तहत हैदराबाद में सेनाओं के भेज दिया। भारतीय सेनाओं ने हैदराबाद की सेनाओं को धूल चटा दी। निजाम की सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया। और 29 नवंबर को निजाम ने विलय पत्र समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए और इस प्रकार हैदराबाद भी भारत संघ में सम्मिलित हो गया।

कश्मीर नरेश हरि सिंह भी स्वतंत्र राज्य का सपना देख रहा था । इसकी भनक लगते ही पाकिस्तान ने कबाइलों को उकसाया और कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। कश्मीर नरेश को अपनी गलती का एहसास हुआ और भारत सरकार से सहायता की अपील की। सरदार पटेल ने कश्मीर को भारत संघ में सम्मिलित होने की शर्त पर मदद की। 27 अक्टूबर, 1947 को सैकड़ों भारतीय सैनिकों ने आक्रमणकारियों को कश्मीर से पीछे खदेड़ दिया और इस तरह से कश्मीर की स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। कश्मीर नरेश ने तुरंत भारत में विलय पत्र पर हस्ताक्षर कर दिये । सरदार पटेल ने बहुत दुख के साथ कहा था- 'यदि पंडित नेहरू और गोपाल स्वामी आयंगर ने कश्मीर को अपना व्यक्तिगत विषय बनाकर मेरे गृह तथा रियासत विभाग से अलग न किया होता, तो कश्मीर की समस्या उसी प्रकार हल होती, जैसे कि हैदराबाद की।'

भारत के इस महान सपूत के लिए लौह पुरुष की संज्ञा विश्लेषण की हर कसौटी खरी उतरती है। जिसमें अपने संकल्पों के प्रति मर मिटने का जज्बा हो ,जिसके व्यक्तित्व का एक-एक अणु लोहे के कण कण से बना हो, जो चुनौतियों के हिमालय को विंध्याचल की तरह नतमस्तक करना जानता हो, जो घोर तमस में भी अपने संघर्ष के दीप को निर्वापित न होने दे, जिसके फौलादी इरादों को किसी मौसम में बदलने की ताकत न हो, जो अपने मूल्यों से समझौता न करता हो, जो एक बार ठान ले तो उसे पूर्ण करके ही दम लेता हो, जिसका पराक्रम अपराजेय, आस्था अडिग, संकल्प अटल हो वही व्यक्ति लोह पुरुष हो सकता है। अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण की जिसमें पराकाष्ठा हो, जो किसी मुकदमे में पैरवी के दौरान अपनी पत्नी की मृत्यु का समाचार पाकर भी कर्तव्य पथ से विचलित न हो, जो जेल में रहते हुए अपनी पूज्य मां और बड़े भाई के निधन पर उनके अंतिम संस्कार के लिए फिरंगियों की शर्तों पर पैरोल पर रिहा होने से इनकार कर सकता हो वही व्यक्ति लोहपुरुष हो सकता हो। निसंदेह सरदार पटेल इसके हकदार हैं ।

संपादक की कलम से

लैंगिक असमानता अब भी

दीपावली महापर्व के मौके पर भारतीय महिला क्रिकेट को एक नायाब तोहफा दिया गया है। मुद्दतों से यह मांग थी कि क्रिकेट खेलने की फीस के संदर्भ में लैंगिक असमानता समाप्त की जाए। महिला खिलाडिनों को भी पुरुषों के बराबर फीस और भत्ते दिए जाएं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने यह मांग बुनियादी तौर पर स्वीकार कर फीस का भेदभाव खत्म करने की एक क्रांतिकारी, अहम और ऐतिहासिक कोशिश की है। दुनिया में इंग्लैंड के बाद भारतीय क्रिकेटरों को ही सर्वाधिक फीस दी जाती है। एकदिनी और टी-20 मैचों में ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन भारत से ज्यादा फीस देते हैं। समानता की यह मानवीय कोशिश इसी साल के शुरू में न्यूज़ीलैंड ने की थी, जिसे हमने भी स्वीकार किया है। यकीनन खूबसूरत और प्रशंसनीय निर्णय है। अब टेस्ट मैच खेलने के 15 लाख, एकदिनी मैच के 6 लाख और टी-20 मैच के लिए 3 लाख रुपए का भुगतान प्रत्येक खिलाड़ी को किया जाएगा। इससे पहले क्रिकेट की लड़कियों को टेस्ट मैच के लिए 4 लाख और एकदिनी तथा टी-20 मैचों के लिए 1-1 लाख रुपए की फीस दी जाती थी। कमोबेश बीसीसीआई ने फीस की असमानता तुरंत प्रभाव से समाप्त कर दी है, लेकिन महत्वपूर्ण असमानता अब भी मौजूद है। दरअसल महिला क्रिकेट को अभी तक सजावटी और सांकेतिक तौर पर देखा जाता रहा है। उनके मैचों से राजस्व भी, पुरुष खिलाडियों के मैचों की तुलना में, बहुत कम रहा है। 2006 तक हमारी होनहार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धमक वाली खिलाडिनों को 'वूमेंस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया' के तहत खेलना पड़ता था। उनकी पहचान और मान्यता अधूरी थी, लिहाजा डायना इडुलजी, शांता रंगास्वामी, अंजुम चोपड़ा और बाद के दौर में मिताली राज, झूलन गोस्वामी आदि ने समय-समय पर खेल में लैंगिक असमानता का मुद्दा उठाया। डायना तो बीसीसीआई में उस प्रशासनिक समिति की सदस्य भी रहीं, जिसे सर्वोच्च अदालत ने नियुक्त किया था। मिताली के नाम बल्लेबाजी और झूलन के हिस्से गेंदबाजी के विश्व रिकॉर्ड हैं, जिनके आसपास फिलहाल कोई क्रिकेटर नहीं है। क्रिकेट के प्रति जुनून और राष्ट्रीय गौरव की भावनाओं की ये मिसालें हैं। बोर्ड ने उन्हें महसूस किया और ऐसा निर्णय लिया है कि हमारी खिलाडिनें गदगद हैं। बहरहाल क्रिकेट के मिताली और झूलन वाले दौर तक आते-आते स्थितियां काफी सुधर गई थीं, क्योंकि 2006 में बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट का भी अधिग्रहण कर लिया था। हमारी खिलाडिनें विश्वस्तर पर भी खेलती रहीं, लेकिन उन्होंने एक 'अंधकार-युग' भी झेला है। उन्हें खेल की कोई फीस तक नहीं मिलती थी। विदेशी प्रवास के लिए अपनी जेब से पैसे देने पड़ते थे। एक मौके पर महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री ए. आर. अंतुले ने सरकारी मदद की थी, तो उस राज्य की चार लड़कियां मैच खेलने ऑस्ट्रेलिया जा सकीं। उन लड़कियों से 10,000 रुपए प्रति की मांग की गई थी। बहरहाल प्रवास के दौरान औसत होटल मिलते थे और उनमें भी कमरा साझा करना पड़ता था। रिटायरमेंट की कोई पैकेज योजना नहीं थी। उन परिस्थितियों से जूझते हुए हमारी महिला क्रिकेट आज ऐसे मुकाम पर है कि हम राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता देश हैं। हमारी लड़कियों ने कई प्रतियोगिताओं में फाइनल और सेमी फाइनल तक की छलांग भी लगाई है। हमारी खिलाडिनें 'चैम्पियन' हैं। उन सरकारों और खेल प्रशासकों को शर्म आनी चाहिए, जिन्होंने देश के गौरव और गर्व को हाशिए पर रखा और खिलाडिनों को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं दीं। शायद इसीलिए भारत खेल में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, बहुत पीछे है ! सद्बुद्धि देर से आई है, लेकिन बहुत सुखद और खेल-सापेक्ष है। कमोबेश मैच फीस की समानता का निर्णय बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन हमारा जिज्ञासापूर्ण सवाल भी है कि सालाना अनुबंध में इतनी असमानता क्यों है ? जो अनुबंध विराट कोहली, रोहित शर्मा, बुमराह आदि क्रिकेटरों का है, वह हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, पूनम यादव, राजेश्वरी गायकवाड़ आदि महिला क्रिकेटरों के पारिश्रमिक से 14 गुना ज्यादा है। हम मान लेते हैं कि महिला खिलाड़ी को 'ए प्लस' वर्ग में नहीं रखा गया है, लेकिन 'ए' श्रेणी के पुरुष खिलाडियों का सालाना अनुबंध 5 करोड़ रुपए है, जबकि सर्वश्रेष्ठ खिलाडिनों को भी 50 लाख रुपए सालाना दिए जाते हैं।

31 अक्टूबर का इतिहास

नयी दिल्ली (भाषा) भारत के इतिहास में 31 अक्टूबर की तारीख देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के दिन के तौर पर दर्ज है। अपने फौलादी इरादों के लिए विख्यात और बड़े से बड़ा फैसला बेखौफ लेने वाली देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की इस दिन की सुबह उनके अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी। इंदिरा गांधी ने 1966 से 1977 के बीच लगातार तीन बार देश की बागडोर संभाली और उसके बाद 1980 में दोबारा इस पद पर पहुंचीं और 31 अक्टूबर 1984 को पद पर रहते हुए ही उनकी हत्या कर दी गई।

देश-दुनिया के इतिहास में 31 अक्टूबर की तारीख में दर्ज अन्य प्रमुख घटनाओं का सिलसिलेवार ब्योरा इस प्रकार है:-

1875 : वल्लभभाई पटेल का जन्म।

1920 : ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस का शुरूआती सत्र बम्बई में आयोजित।

1941 : लगभग 15 वर्ष की मेहनत के बाद दक्षिण डेकोटा की ब्लैक हिल्स में माउंट रेशमोर नेशनल म्यूजियम का काम पूरा हुआ, जहां पहाड़ियों पर अमेरिका के चार राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थिओडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन के चेहरे तराशे गए।

1966 : भारतीय तैराक मिहिर सेन ने पनामा नहर को तैरकर पार किया।

1968 : अमेरिका के राष्ट्रपति लिंडन बी जॉनसन ने उत्तरी वियतनाम में अमेरिकी बमबारी रोकने का आदेश दिया।

1984 : भारत की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों के हाथों हत्या।

1992 : लाइबेरिया में पांच अमेरिकी नन की हत्या का ऐलान किया गया। हत्याओं के लिए चार्ल्स टेलर के प्रति आस्थावान बागियों को जिम्मेदार ठहराया गया।

2003: मलेशिया में महातिर युग का अंत। प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद ने 22 वर्ष तक सत्ता में रहने के बाद पद छोड़ा।

2006 : दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद युग के राष्ट्रपति पी डब्ल्यू बोथा का 90 वर्ष की आयु में निधन।

भारतीय विदेश नीति की दो उपलब्धियां

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारतीय विदेश नीति की दो उपलब्धियों ने मेरा ध्यान बरबस खींचा है। एक तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा भारत की सराहना और दूसरी भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हुई बातचीत। इन मुद्दों पर यह शक बना हुआ था कि भारत की नीति से इन दोनों राष्ट्रों को कुछ न कुछ एतराज जरूर है लेकिन वे संकोचवश खुलकर बोल नहीं रहे थे। अब यह स्पष्ट हो गया है कि रूस और ब्रिटेन, दोनों ही भारत की नीति से संतुष्ट हैं और उनके संबंध भारत से दिनोंदिन घनिष्ट होते चले जाएंगे।

पहले हम रूस को लें। भारत ने यूक्रेन पर रूसी हमले का कभी दबी जुबान से समर्थन नहीं किया लेकिन उसे अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्रों की तरह रूस के विरुद्ध आग भी नहीं बरसाई। उसने यूक्रेन से अपने हजारों नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला, उसे टनों अनाज भेंट किया और कुछ प्रस्तावों पर संयुक्तराष्ट्र संघ में उसका साथ भी दिया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में साफ-साफ कह दिया कि यह वक्तत युद्ध का नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए। शायद इसी का असर था कि पुतिन ने परमाणु युद्ध की आशंका से त्रस्त सारे विश्व को आश्वस्त किया कि उनका इरादा परमाणु बम चलाने का बिल्कुल नहीं है।

अब उन्होंने मास्को के एक 'थिंक टैंक' में भाषण देते हुए न केवल मोदी की भूरि-भूरि प्रशंसा की बल्कि कहा कि इस संकट के दौरान भारत के साथ रूस का कृषि व्यापार दुगुना हो गया, उर्वरक निर्यात 7-8 गुना बढ़ गया और आपसी व्यापार 13 अरब से कूदकर 18 अरब डॉलर का हो गया। रूसी तेल ने भारत की जरूरत पूरी कर दी। पुतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की जमकर तारीफ की है। यह तब है जबकि भारत अमेरिका के साथ कई मोर्चों पर पूरी तरह सहयोग कर रहा है। चीन को इससे काफी जलन हो रही है लेकिन भारत के बारे में रूस का मूल्यांकन सही है।

इसी तरह ब्रिटेन-भारत मुक्त व्यापार समझौते के संपन्न होने के पूरे आसार दिखाई पड़ने लगे हैं। ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री बनते ही अपने विदेश मंत्री को सबसे पहले भारत भेजा है। मोदी और सुनक की बातचीत से मुक्त व्यापार का रास्ता काफी साफ हुआ है। लंदन में यह डर बताया जा रहा था कि उक्त समझौता यदि हो गया तो ब्रिटेन में भारतीयों की भरमार हो जाएगी और वे ब्रिटिश बाजारों पर कब्जा कर लेंगे। इसके अलावा ब्रिटेन चाहता है कि उसकी मोटरसाइकिलों, शराब, केमिकल्स और अन्य कई चीजों पर भारत ज्यादा टैक्स-ड्यूटी न लगाए। ऐसे ही भारत भी अपने कृषि-पदार्थों, कपड़ों और चमड़े आदि के समान पर ड्यूटी घटवाना चाहता है। उम्मीद है कि कुछ दिनों में यदि उक्त समझौता हो गया तो अन्य कई यूरोपीय देशों के दरवाजे भी भारतीय माल के लिए खुल जाएंगे।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं।)

मानगढ़ बलिदानः आध्यात्मिक चेतना और आंदोलन

कौशल मूंदड़ा

हम जब भी भारतीय सनातन संस्कृति के बड़े आंदोलनों या बदलावों पर नजर डालते हैं तो उनके मूल में एक ही बात परिलक्षित होती है, वह है हमारी आध्यात्मिक चेतना। सनातन संस्कृति की संतानों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह एक ऐसा तत्व है जो कभी निश्चेत नहीं हुआ। जब भी हमें कहीं से भी आध्यात्मिक अनुभव का प्रभाव प्राप्त होने लगता है, हमारा मन-मस्तिष्क उसकी ओर आकर्षित स्वतः होने लगता है। संभवतः यही कारण है कि बड़े आंदोलन हों या बड़े बदलाव, उनका आधार आध्यात्मिक चेतना रहा।

चाहे हम महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन को ही लें तो उनके आंदोलन में 'वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ पराई जाने रे..' भजन प्रमुख रूप से होता था और उसमें शामिल हर जन उसकी अनुभूति में जरूर शांति का अनुभव करता होगा और जब मन शांत होता है तो मानव स्वभाव के अनुसार वह सही-गलत का निर्णय करने में अशांत मन से ज्यादा सक्षम होता है। इसी अवधारणा को हम मानगढ़ धाम के आंदोलन में भी महसूस कर सकते हैं जब आंदोलन के प्रणेता गोविन्द गुरु ने जगह-जगह धूणी रमाई और आजादी की अलख जगाई। धूणी एक तरह की यज्ञवेदिका होती है और इसके चारों ओर बैठकर भजन-कीर्तन-सत्संग होता है। यही धूणी वागड़ और उसके समीपवर्ती क्षेत्र में आजादी के आंदोलन का आधार बनी और वहां की मानगढ़ पहाड़ी बलिदान की अमर गाथा अंकित हुई।

वागड़ क्षेत्र का मानगढ़ धाम आजादी के दीवाने गोविंद गुरु के डेढ़ हजार से अधिक अनुयायियों के बलिदान का साक्षी है। वर्ष 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड से पहले वर्ष 1913 की 17 नवम्बर मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर अंग्रेज सेना ने मानगढ़ पहाड़ी पर भीषण नरसंहार किया था, इसमें डेढ़ हजार से अधिक आदिवासी समाज के बंधुओं का बलिदान हुआ। मां भारती के चरणों में समर्पित इन हुतात्माओं ने मानगढ़ को 'धाम' बना दिया।

अंग्रेज सरकार की यह कार्रवाई उसके डर को साबित करती है कि वागड़ क्षेत्र में उठ रही आजादी की अलख उसके लिए चुनौती बनने लगी थी। और यह चुनौती यकायक नहीं पैदा हुई थी, इसके लिए लोकमानस में प्रेरणा के पुंज बन चुके गोविन्द गुरु के अथक प्रयास शामिल थे। गोविन्द गुरु ने 1903 में 'संप सभा' नामक संगठन बनाया। इसके माध्यम से 'संप' अर्थात मेल-मिलाप शुरू किया। इस 'संप' में उन्होंने एकता स्थापित करने, व्यसनों, बुराइयों व कुप्रथाओं का परित्याग करने, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने, शिक्षा, सदाचार, सादगी अपनाने, अपराधों से दूर रहने, बेगार प्रथा तथा अन्याय का बहादुरी से सामना करने और अंग्रेजों के अत्याचार का मुकाबला करने के प्रति लोगों को जागरूक किया। बांसवाड़ा जिले के आनंदपुरी से कुछ किलोमीटर दूर स्थित मानगढ़ पहाड़ी उनकी गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र बनी। गोविन्द गुरु ने लोगों को 'संप' से जोड़ने के लिए जगह-जगह धूणियां रमाई। धूणियों पर भजन-कीर्तन-सत्संग होने शुरू हुए और लोगों की आध्यात्मिक चेतना ने उन्हें इस ओर खींचना शुरू किया। भजन-कीर्तन-सत्संग से व्यक्ति को मन की शांति का अनुभव होता है और असीम आनंद की अनुभूति होती है। इसी माध्यम से धीरे-धीरे गोविन्द गुरु ने मां भारती को बेड़ियों में जकड़ने वाले अंग्रेजों के बारे में, उनके काले नियम-कानूनों के बारे में भी जानकारी देना शुरू किया। अन्याय के खिलाफ मुखर होने के लिए लोगों को मानसिक रूप से मजबूत करने का यह आरंभिक कदम था। आने वाले आंदोलन के लिए यह आध्यात्मिक चेतना की राह थी।

सनातन संस्कृति में संतों और गुरुओं का स्थान महत्वपूर्ण है। संत और गुरु वैसे भी प्रेरणा के स्रोत रहे हैं। वागड़ में गोविंद गुरु की इस अलख के साथ उनके अनुयायी भी बनने लगे जिन्हें लोक भाषा में 'भगत' कहा जाने लगा। इतिहासकारों ने वागड़ के इस आंदोलन को 'भगत आंदोलन' की भी संज्ञा दी है। धूणी पर भजन रमाने वाले भगत गोविन्द गुरु की प्रखर वाणी से प्रभावित होकर मातृभूमि की रक्षा के गीत गाने लगे, यह गोविन्द गुरु के सान्निध्य का ही असर रहा होगा। गोविंद गुरु किसी स्कूल-कॉलेज में शिक्षित नहीं थे। उन्होंने ढोल-मंजीरों की ताल और भजनों की सुरलहरियों से ही लोकमन को आजादी के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बांसवाड़ा, डूंगरपुर और सीमावर्ती गुजरात के आदिवासी अंचल के लोग उनके अनुयायी बन चुके थे। बढ़ती लोकप्रियता के चलते अब गोविंद गुरु अंग्रेजों की आंखों में खटकने लगे थे। 17 नवम्बर, 1913, मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन हजारों भगत अपने गुरु का जन्मदिन मनाने के लिए मानगढ़ पहाड़ी पर एकत्र हुए। एक विशेष प्रकार के वस्त्रधारियों के हुजूम को देसी पारम्परिक हथियारों के साथ देखकर अंग्रेज शासन तंत्र को शंकाओं ने घेरा। और आखिर सैनिक कार्रवाई का हुकम हुआ और अंग्रेज सेना ने हजारों निहत्थे भगतों पर गोलियां बरसा दीं। इस नरसंहार में 1500 से अधिक आदिवासी भगतों का बलिदान हुआ।

केजरीवाल नैरेटिव गढ़ने में उस्ताद

राजीव खंडेलवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल का ध्येय वाक्य है ''माल कैसा भी हो, हांक हमेशा ऊंची लगानी चाहिये''। आगे उदाहरणों से आप इस बात को अच्छी तरह से समझ जाएंगे। ताजा उदाहरण आपके सामने है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के जेल जाने की आशंका मात्र से उनकी तुलना शहीदे-आजम भगत सिंह से करने पर उन्हें शर्म तक नहीं आई।

भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अलग शैली का आज पूरा विश्व कायल है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस शैली को अपनाने की कोशिश करते नजर आते हैं। वह तरह-तरह के नैरेटिव गढ़ते हैं। वह शुरू से प्रधानमंत्री को कटघरे में खड़ा करते रहे। बात नालियों को साफ करने की ही क्यों न रही हो। लेकिन उसके दुष्परिणाम स्वरूप आप दिल्ली की लोकसभा की सातों सीटें हार गई। नगर निगम में भी सफलता नहीं मिली। राजनीतिक विश्लेषक संजय कुमार के अनुसार जब कोई प्रियनेता लोकप्रिय हो, तब उस पर हमला करने का असर उल्टा ही होगा। जैसा ''चांद पर थूका हुआ वापस थूकने वाले मुंह पर ही पड़ता है।'' आप पंजाब चुनाव में उतरी तब प्रधानमंत्री पर केजरीवाल पुनः आक्रामक हो गए।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल का ध्येय वाक्य है ''माल कैसा भी हो, हांक हमेशा ऊंची लगानी चाहिये''। आगे उदाहरणों से आप इस बात को अच्छी तरह से समझ जाएंगे। ताजा उदाहरण आपके सामने है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के जेल जाने की आशंका मात्र से उनकी तुलना शहीदे-आजम भगत सिंह से करने पर उन्हें शर्म तक नहीं आई। वैसे भी वर्तमान निम्न स्तर की नैतिकताहीन राजनीति में बेशर्म शरारतपूर्ण व अंहकार से भरे बयान पर शर्म का प्रश्न आप क्यों उठाना चाहते है ? उससे भी बड़ी बेशर्म मीडिया निकली जिसने ''गधा मरे कुम्हार का और धोबन सती होय'' के समान उनके कथनों को हाथों-हाथ लेकर बार-बार सुना कर हमारे कानों को पका दिया। किसी भी मीडिया हाउस की केजरीवाल से यह कहने की हिम्मत नहीं हुई कि आपके द्वारा मनीष सिसोदिया की शहीद भगत सिंह से किसी भी रूप में तुलना किसी भी स्थिति में सही नहीं ठहराई जा सकती है और न ही की जा सकती है। आप अपनी तुलना के शब्द बाण वापस लीजिए व उक्त महती त्रुटि के लिए क्षमा मांगे अन्यथा हम आपके उन कथनों बयानों को प्रसारित नहीं करेंगे। शराब घोटाले में पूछताछ के बाद मनीष सिसोदिया ने सीबीआई पर ही बड़ा आरोप लगा दिया कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने का प्रस्ताव दिया गया था। परन्तु नाम बताने से परहेज किया गया। फिर भी मीडिया उनके इस बिना सिर पैर के तथ्यहीन बयान को बार-बार ब्रेकिंग न्यूज के रूप में चलाता रहा। यानी केजरीवाल के लिए तो मीडिया का रोल ऐसा है कि ''लड़े सिपाही और नाम सरदार का''। इसके पूर्व भी ऑपरेशन लोटस द्वारा विधायकों की खरीद-फरोद कर सरकार गिराने के मनीष सिसोदिया के आरोप के संबंध में भी आज तक उस व्यक्ति का नाम नहीं बताया गया, जिसने पैसे ऑफर किये और न ही उस तथाकथित विधायक/व्यक्ति का कथन, शपथ पत्र या पहचान तक बताई गई, जिसे ऑफर किया गया हो। यह झूठी, मनगढ़ंत न्यूज भी कई दिनों तक चलती रही। हद तो तब हो गई जब सीबीआई द्वारा पूछताछ के बाद मनीष सिसोदिया के सिर पर लटक रही गिरफ्तारी की तलवार जो अंततः गिरी नहीं तथ्य के बावजूद केजरीवाल ने गुजरात के मेहसाणा जिले के उंझा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनीष सिसोदिया का गुजरात चुनाव में प्रचार करने से रोकने के लिए गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने जनता से ''जेल के ताले टूटेंगे मनीष सिसोदिया छूटेंगे'' के नारे भी लगवाए।

इस सफेद नहीं काले झूठ को मीडिया ने जिस तरह सुर्खियां देकर चलाया उससे साफ हुआ कि देश की राजनीति के नैरेटिव गढ़ने में केजरीवाल उस्ताद हैं। जिस तरह ''सोती हुई लोमड़ी सपने में मुर्गियां ही गिनती रहती है'', राजनेता तथा आम नागरिकों के लिए नए-नए अन्य अकल्पनीय नैरेटिव देने वाले केजरीवाल के ताजा नैरेटिव को भी देखिए। देश की करेंसी में भगवान श्री गणेश और लक्ष्मी माता की तस्वीर लगाने की मांग। केजरीवाल द्वारा बताये कारणों के प्रतिफल/परिणाम का तो भविष्य में ही पता लगेगा। परन्तु क्या केजरीवाल ने इस बात की पूर्ण संतुष्टि व सुरक्षा की गारंटी कर ली है कि इन तस्वीरों वाली करेंसी का दुरुपयोग भ्रष्टाचार, कालाबाजारी, नशा, वेश्यागमन आदि समस्त बुराइयों में नहीं होगा ? अन्यथा इन बुराइयों के लिए उपयोग की जाने वाली करेंसी अवैध मानी जाएगी ? (केजरीवाल तो नए-नए अप्रचलित सुझावों को देने में माहिर हैं ?) क्योंकि ये हमारी संस्कृति व आस्था के प्रतीक हैं।

यदि किसी प्रतीक की फोटो से ही सब कुछ हरा-भरा हो जाता तो केजरीवाल जी क्या यह बताने का कष्ट करेंगे की 75 वर्षों से देश की करेंसी पर अहिंसा के पुजारी व प्रतीक गांधी जी की फोटो होने के बावजूद क्या देश अहिंसक हो गया है ? सत्ता एवं शेष विपक्ष की इस नए नैरेटिव पर सियासत कई नए नए सुझावों के साथ आ गई। इस पर भाजपा को यह तक कहना पड़ गया कि केजरीवाल गुजरात और हिमाचल प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव को दृष्टि में रखते हुए हिंदुत्व का कार्ड न खेलें। इसे ही तो नैरेटिव कहते हैं, जिसके मास्टर निसंदेह रूप से आज अरविंद केजरीवाल ही हैं। सही या गलत, यह अलहदा विषय है।

(लेखक, वरिष्ठ कर सलाहकार एवं पूर्व सुधार न्यास अध्यक्ष हैं।)

ब्रीफ न्यूज

टाटा के इस स्टॉक ने दिया 6000% का रिटर्न, निवेशकों की हुई चांदी

टाटा एलेक्सी ने 1 जनवरी 1999 को शेयर मार्केट में डेब्यू किया था। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 19,528 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। कंपनी के 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 10,760 रुपये है।

नईदिल्ली। पिछले एक दशक के दौरान जिन कुछ कंपनियों ने निवेशकों को ताबड़तोड़ रिटर्न दिया है उसमें टाटा एलेक्सी (Tata Elxsi Limited) भी शामिल है। बीते 10 साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 5000 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। यानी तब जिस किसी ने इस कंपनी में निवेश करके अबतक उसे होल्ड किया होगा वह आज मालामाल हो गया होगा। आइए जानते हैं कि इस साल कंपनी का प्रदर्शन कैसा रहा है?

साल दर साल कैसे बढ़ा शेयर का भाव?

एनएसई (NSE) में 9 नवबंर 2012 को कंपनी के एक शेयर की कीमत 109.78 रुपये थे। जोकि शुक्रवार (28 अक्टूबर 2022) को 6870 रुपये के लेवल पर क्लोज हुआ था। यानी बीते 10 साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 6157.97 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। 5 साल पहले जिस किसी ने इस कंपनी पर दांव लगाया होगा और अबतक होल्ड किया होगा उसका रिटर्न 700.23 प्रतिशत तक बढ़ गया है। निवेशकों के लिए पिछला एक साल भी शानदार रहा है। इस मुश्किल दौर में कंपनी के शेयर का भाव 14.99 प्रतिशत बढ़ा है। रूस और यूक्रेन युध्द की वजह से इस साल शेयर मार्केट में लगातार उतार और चढ़ाव देखने को मिला है। लेकिन कठिन परिस्थितियों में भी टाटा एलेक्सी ने बेहतर रिटर्न दिया है। साल 2022 में टाटा के इस स्टॉक ने निवेशकों को 16.57 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। दस साल पहले जिस किसी निवेशक ने टाटा एलेक्सी में 1 लाख रुपये का निवेश किया होगा उसका रिटर्न अब तक होल्ड करने पर 62.57 लाख रुपये हो गया होगा।

अडानी ग्रुप करेगा 150 अरब डॉलर का निवेश, जानें क्या है फ्यूचर प्लान?

टाटा एलेक्सी ने 1 जनवरी 1999 को शेयर मार्केट में डेब्यू किया था। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 19,528 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। कंपनी के 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 10,760 रुपये है। वहीं, 52 सप्ताह का न्यूनतम स्तर 5263 रुपये है।

महंगाई को काबू रखने में विफलता पर चर्चा करेगा RBI, सरकार को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। छह साल पहले मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का गठन होने के बाद पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लगातार नौ महीनों तक मुद्रास्फीति (महंगाई दर) को निर्धारित दायरे में नहीं रख पाने पर एक रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा। वर्ष 2016 में मौद्रिक नीति निर्धारण के एक व्यवस्थित ढांचे के रूप में एमपीसी का गठन किया गया था। उसके बाद से एमपीसी ही नीतिगत ब्याज दरों के बारे में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई बनी हुई है। एमपीसी ढांचे के तहत सरकार ने आरबीआई को यह जिम्मेदारी सौंपी थी कि महंगाई दर चार प्रतिशत (दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ) से नीचे बनी रहे। हालांकि, इस साल जनवरी से ही महंगाई दर लगातार छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। सितंबर में भी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 7.4 प्रतिशत पर दर्ज की गई। इसका मतलब है कि लगातार नौ महीनों से मुद्रास्फीति छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। मुद्रास्फीति का यह स्तर दर्शाता है कि आरबीआई अपना निर्दिष्ट दायित्व निभाने में असफल रहा है। दरअसल, आरबीआई अधिनियम की धारा 45जेडएन में प्रावधान है कि लगातार तीन तिमाहियों यानी लगातार नौ महीनों तक मुद्रास्फीति के निर्धारित स्तर से ऊपर रहने पर केंद्रीय बैंक को अपनी नाकामी के बारे में सरकार को एक समीक्षात्मक रिपोर्ट सौंपनी होगी। इस रिपोर्ट में आरबीआई को यह बताना होता है कि मुद्रास्फीति को काबू में रख पाने में उसकी नाकामी की क्या वजह रही? इसके साथ ही आरबीआई को यह भी बताना होता है कि वह स्थिति को काबू में लाने के लिए किस तरह के कदम उठा रहा है। इन वैधानिक प्रावधानों और मुद्रास्फीति के मौजूदा स्तर को देखते हुए आरबीआई ने तीन नवंबर को एमपीसी की विशेष बैठक बुलाई है जिसमें सरकार को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट को तैयार किया जाएगा।

अडानी ग्रुप करेगा 150 अरब डॉलर का निवेश, क्या है फ्यूचर प्लान?

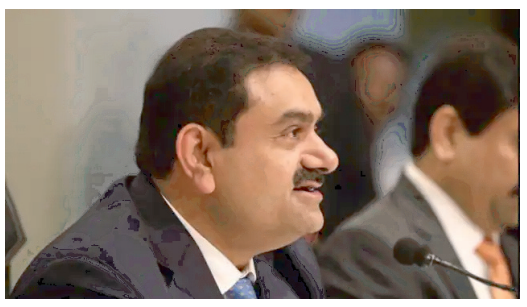

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली। एशिया के सबसे अमीर शख्स गौतम अडानी (Gautam Adani) का अडानी ग्रुप (Adani Group) ग्रीन एनर्जी, डेटा सेंटर, हवाई अड्डे से लेकर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में 150 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा। समूह का लक्ष्य 1,000 अरब डॉलर के मूल्यांकन वाली वैश्विक कंपनियों की विशिष्ट सूची में शामिल होने का है। अडानी ग्रुप के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने 10 अक्टूबर को वेंचुरा सिक्योरिटीज लिमिटेड द्वारा यहां आयोजित निवेशक बैठक में समूह की विकास योजनाओं का ब्योरा दिया। वर्ष 1988 में एक व्यापारी के रूप में कारोबार शुरू करने वाले समूह ने काफी तेजी से बंदरगाह, हवाई अड्डा, सड़क, बिजली, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली पारेषण, गैस वितरण और एफएमसजी क्षेत्र में पैर पसारे हैं। हाल के समय में समूह डेटा केंद्र, हवाई अड्डा, पेट्रोरसायन, सीमेंट और मीडिया जैसे क्षेत्रों में उतरा है।

उन्होंने कहा कि समूह की अगले 5-10 साल में हरित हाइड्रोजन कारोबार में 50-70 अरब डॉलर और हरित ऊर्जा में 23 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना है। यह बिजली पारेषण में सात अरब डॉलर, 'ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी' में 12 अरब डॉलर और सड़क क्षेत्र में पांच अरब डॉलर का निवेश करेगा। समूह के क्लाउड सेवाओं के साथ डेटा केंद्र कारोबार में प्रवेश के लिए उसे एज कॉनेक्स के साथ साझेदारी में 6.5 अरब डॉलर का निवेश करना होगा और हवाई अड्डों के लिए 9-10 अरब डॉलर की योजना बनाई गई है। हवाई अड्डा क्षेत्र में समूह पहले ही सबसे बड़ा निजी परिचालक है।

तिमाही नतीजों ने किया कंपनी को गदगद

डिविडेंड का हुआ ऐलान; रिकॉर्ड डेट घोषित

एनटीवी न्यूज

आईटी कंपनी Allsec Technologies लिमिटेड ने दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कपंनी के प्रदर्शन से खुश होकर Allsec Technologies के बोर्ड ऑफ डॉयरेक्टर्स ने डिविडेंड देने का फैसला किया है।

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (Q2 Result) के दौरान किस कंपनी ने कैसा प्रदर्शन किया है, तिमाही नतीजों से स्पष्ट हो जा रहा है। आईटी कंपनी Allsec Technologies लिमिटेड ने दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कपंनी के प्रदर्शन से खुश होकर Allsec Technologies के बोर्ड ऑफ डॉयरेक्टर्स ने डिविडेंड (Dividend) देने का फैसला किया है। आइए जानते हैं रिकॉर्ड डेट (Record Date) क्या है?

कितना मिलेगा डिविडेंड?

Allsec Technologies ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया, "कंपनी के बोर्ड की मीटिंग 28 अक्टूबर 2022 को हुई थी। 10 रुपये के फेसवैल्यू वाले शेयर पर निवेशकों को 20 रुपये डिविडेंड देने की मंजूरी बोर्ड के सदस्यों ने दी है। इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 7 नवबंर 2022 तय किया गया है।"

दूसरी तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 15.87 करोड़ रुपये का था। जबकि इससे पहले कि वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 12.95 करोड़ रुपये था। साल-दर-साल के हिसाब से देखें तो नेट प्रॉफिट में 22.55 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। कंपनी के सेल्स में 22.15 प्रतिशत की तेजी देखी गई है।

कैसा है कंपनी का प्रदर्शन?

शुक्रवार को कंपनी के एक शेयर का भाव 0.019 प्रतिशत की तेजी के साथ 524.30 रुपये प्रति शेयर के लेवल पर क्लोज हुआ था। बीते एक साल के दौरान कंपनी ने अपने प्रदर्शन से निवेशकों को झटका दिया है। इस दौरान Allsec Technologies के शेयर का भाव 8.01 प्रतिशत लुढ़क गया है। वहीं, साल 2022 में अबतक कंपनी के शेयरों में 22.46 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। सितंबर तिमाही के समाप्त होने के बाद Allsec Technologies में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 73.39 प्रतिशत रहा है। वहीं, विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 0.03 प्रतिशत रहा है। पब्लिक के पास 26.59 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

90 के प्रीमियम पर पहुंचा इस IPO के शेयर का भाव! अमिताभ बच्चन करते हैं कंपनी का प्रचार

निवेशकों के लिए यह सप्ताह अपडेट से भरपूर रहेगा। 4 कंपनियों का आईपीओ इस सप्ताह ओपन होगा। इसी में से देश में सबसे ज्यादा बिकानेरी भुजिया का उत्पादन करने वाली कंपनी बीकाजी फूड्स कंपनी भी शामिल है।

नई दिल्ली। निवेशकों के लिए यह सप्ताह अपडेट से भरपूर रहेगा। 4 कंपनियों का आईपीओ (Upcoming IPO) इस सप्ताह ओपन होगा। इसी में से देश में सबसे ज्यादा बिकानेरी भुजिया का उत्पादन करने वाली कंपनी बीकाजी फूड्स (Bikaji Foods) कंपनी भी शामिल है। कंपनी का आईपीओ (IPO) 3 नवंबर को खुल रहा है। बता दें, इस कंपनी के ब्रांड एंबेसडर अमिताभ बच्चन (Amitabh Bachchan) हैं। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस आईपीओ के विषय में- IPOwatch वेबसाइट के मुताबिक रविवार को कंपनी ग्रे मार्केट (GMP) में 90 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही थी। हालांकि, बीकाजी फूड्स ने अपने आईपीओ का प्राइस बैंड अभी तक घोषित नहीं किया है। बता दें, इस कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों के पास 7 नवंबर 2022 तक का समय रहेगा।

तिमाही नतीजों ने किया कंपनी को गदगद, डिविडेंड का हुआ ऐलान; रिकॉर्ड डेट घोषित

बीकाजी का इरादा IPO से 1,000 करोड़ रुपये जुटाने का है। इसके अलावा कंपनी के प्रमोटर्स 2.94 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश लाएंगे। ये सभी शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत उपलब्ध रहेंगे। ऑफर फॉर सेल के तहत शिव रतन अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, इंडिया 2020 महाराजा, इंटेंसिव सॉफ्टशेयर और आईआईएफएल ऑपरच्युनिटिज़ इस आईपीओ का हिस्सा होंगे।

कंपनी ने आईपीओ का 50 प्रतिशत क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बॉयर्स के लिए रिजर्व रखा है। वहीं, 15 प्रतिशत NIIs और 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इंवेस्टर्स के लिए आरक्षित है। आईपीओ के लिडिंग मैनेजर्स जेएम फाइनेंशियल, एक्सिस कैपिटल, आईआईएफएल सिक्योरिटीज़ इंटेंशिव फिस्कल सिक्योरिटीज़ और कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी है। कंपनी एनएसई और बीएसई दोनों जगह लिस्ट होगी।

अडानी ग्रुप करेगा 150 अरब डॉलर का निवेश, जानें क्या है फ्यूचर प्लान?

बता दें, बीकाजी भारत की तीसरी सबसे बड़ी स्नैक्स बनाने वाली कंपनी है। कंपनी भारत के अलावा विदेशी धरती पर भी अपनी पहचान बना चुकी है। ग्रोथ की बात करें तो इंडियन ऑर्गेनाइज्ड स्नैक्स मार्केट में दूसरी सबसे तेज ग्रो करने वाली कंपनी है।

छठ पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ कोई बदलाव; सबसे सस्ता फ्यूल 79.74 में

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल के मोर्चे पर आज फिर राहत भरी खबर आई है। तेल कंपनियों ने छठ के मौके पर पेट्रोल-डीजल के मौके पर कोई बदलाव नहीं किया है। जिसकी वजह से पुरानी कीमतें ही बरकरार हैं। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली (Delhi Petrol Diesel Price) में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, डीजल के लिए लोगों को 89.62 रुपये प्रति लीटर खर्च करने पड़ रहे हैं। बता दें, देश में सबसे सस्ता पेट्रोल-डीजल (Petrol Diesel Rates) पोर्ट ब्लेयर में बिक रहा है। आइए जानते हैं अन्य शहरों का क्या हाल है?

शहर का नाम	पेट्रोल रुपये/लीटर	डीजल रुपये/लीटर
श्रीगंगानगर	113.48	98.24
परभणी	109.45	95.85
गोरखपुर	96.72	89.92
रांची	99.84	94.65
पटना	107.24	94.04
जयपुर	108.48	93.72
अगरतला	99.49	88.44
आगरा	96.35	89.52
लखनऊ	96.57	89.76
पोर्ट ब्लेयर	84.10	79.74
देहरादून	-	95.28	90.34
चेन्नई	102.63	94.24
बेंगलुरु	101.94	87.89
कोलकाता	106.03	92.76
दिल्ली	96.72	89.62

1 लाख रुपये को इस सरकारी कंपनी ने बनाया 5 करोड़, 20 पैसे से 100 रुपये के पार पहुंचे शेयर

सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों ने पिछले कुछ साल में 45000 पर्सेंट से ज्यादा रिटर्न दिया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर पिछले कुछ साल में 20 पैसे से बढ़कर 100 रुपये के पार पहुंच गए हैं।

नई दिल्ली। एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर से जुड़ी एक सरकारी कंपनी ने छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड है। सरकारी कंपनी के शेयरों ने पिछले कुछ साल में 45000 पर्सेंट से ज्यादा रिटर्न दिया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर पिछले कुछ साल में 20 पैसे से बढ़कर 100 रुपये के पार पहुंच गए हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 114.65 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 77000 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

कंपनी के शेयरों ने 1 लाख को बनाए 5 करोड़ रुपये से ज्यादा

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 4 जून 1999 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर 20 पैसे के स्तर पर थे। डिफेंस सेक्टर से जुड़ी सरकारी कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर 2022 को 105.30 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों इस पीरियड में निवेशकों को 47760 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 4 जून 1999 को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 5.3 करोड़ रुपये होता।

ढाई साल में 20 रुपये से 100 रुपये के पार पहुंचे शेयर

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों ने पिछले ढाई साल में भी जबरदस्त रिटर्न दिया है। सरकारी कंपनी के शेयर 8 मई 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 19.90 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर 2022 को 105.30 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 8 मई 2020 को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 5.30 लाख रुपये होता।

10 साल में कंपनी के शेयरों ने 1 लाख के बनाए 8 लाख से ज्यादा

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 9 नवंबर 2012 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर 11.85 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर 2022 को बीएसई पर 105.30 रुपये पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 10 साल पहले सरकारी कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 8.89 लाख रुपये होता।

छप्परफाड़ रिटर्न देने वाले 3 मल्टीबैगर शेयर, 10 साल में 1 लाख के बनाए 1 करोड़ रुपये

दीपक नाइट्राइट (Deepak Nitrite), अलकाइल एमाइंस केमिकल्स (Alkyl Amines Chemicals) और केईआई इंडस्ट्रीज (KEI Industries) के शेयरों ने पिछले 10 साल में 10000 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है।

नई दिल्ली। 3 शेयरों ने पिछले 10 साल में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यह दीपक नाइट्राइट (Deepak Nitrite), अलकाइल एमाइंस केमिकल्स (Alkyl Amines Chemicals) और केईआई इंडस्ट्रीज (KEI Industries) के शेयर हैं। इन कंपनियों के शेयरों ने पिछले 10 साल में 10000 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न इनवेस्टर्स को दिया है। इन 3 कंपनियों के शेयरों ने 1 लाख रुपये के इनवेस्टमेंट को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है।

दीपक नाइट्राइट के शेयरों ने 1 लाख के बनाए 1.1 करोड़ रुपये

केमिकल कंपनी दीपक नाइट्राइट (Deepak Nitrite) के शेयरों ने पिछले 10 साल में 10000 पर्सेंट से ज्यादा रिटर्न दिया है। केमिकल कंपनी के शेयर 19 अक्टूबर 2012 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 19.08 रुपये के स्तर पर थे। दीपक नाइट्राइट के शेयर 28 अक्टूबर 2022 को बीएसई में 2247.35 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 10 साल पहले दीपक नाइट्राइट के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 1.17 करोड़ रुपये होता।

अलकाइल एमाइंस केमिकल्स के शेयरों ने 1 लाख को बनाया 1.06 करोड़

अलकाइल एमाइंस केमिकल्स के शेयरों ने पिछले 10 साल में ताबड़तोड़ रिटर्न दिया है। केमिकल कंपनी के शेयर 9 नवंबर 2012 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर 27.89 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर 2022 को बीएसई में 2960 रुपये के स्तर पर हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 10 साल पहले कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 1.06 करोड़ रुपये होता।

केईआई इंडस्ट्रीज के शेयरों ने 1 लाख के बनाए 1.24 करोड़ रुपये

केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड (KEI Industries) के शेयरों ने 10 साल से कम में ही जबरदस्त रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर 4 अप्रैल 2014 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर 12.86 रुपये के स्तर पर थे। केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर 28 अक्टूबर 2022 को बीएसई में 1595.50 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 4 अप्रैल 2014 को केईआई इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1 लाख रुपये का निवेश किया होता और कंपनी के शेयरों को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 1.24 करोड़ रुपये होता।

इस सप्ताह कैसी रहेगी शेयर मार्केट की चाल? एक्सपर्ट लगा रहें ये अनुमान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की विशेष बैठक, कंपनियों के तिमाही नतीजे और अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों पर निर्णय जैसे घटनाक्रमों से इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े तथा वृहद आर्थिक आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े मंगलवार को जारी होंगे। वहीं सेवा क्षेत्र के आंकड़े बृहस्पतिवार को आएंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, "फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक, वाहन बिक्री के आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर बाजार की निगाह रहेगी। इसके अलावा बाजार की नजर रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन नवंबर को बुलाई गई विशेष बैठक पर भी होगी। अब दूसरी तिमाही के नतीजों का अंतिम दौर शुरू हो चुका है। ऐसे में सप्ताह के दौरान शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। अक्टूबर के वाहन बिक्री के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनसे हमें त्योहारी मांग का पता चलेगा।" एमपीसी की विशेष बैठक तीन नवंबर को होगी। रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को छह प्रतिशत से नीचे रखने के लक्ष्य में क्यों विफल रहा है, बैठक में इसपर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जनवरी से लगातार तीन तिमाहियों से मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से ऊपर रही है। ऐसे में रिजर्व बैंक को सरकार को रिपोर्ट सौंपकर इसकी वजह बतानी है। गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली छह सदस्यीय समिति मुद्रास्फीति के लक्ष्य को हासिल करने में विफलता के कारकों पर रिपोर्ट तैयार करेगी।

रोड सेक्टर में देरी वाले प्रोजेक्ट सबसे अधिक, दूसरे नंबर पर रेलवे; इस परियोजना में 276 महीने की देरी

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली: नितिन गडकरी के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग क्षेत्र में देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या सबसे अधिक 262 है। इसके बाद अश्विनी वैष्णव के रेलवे की 115 और हरदीप एस पुरी के पेट्रोलियम क्षेत्र की 89 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। एक सरकारी रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। सितंबर, 2022 के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में निगरानी वाली 835 परियोजनाओं में से 262 परियोजनाएं अपने मूल कार्यक्रम से देरी से चल रही हैं। इसी तरह रेलवे की निगरानी वाली 173 परियोजनाओं में से 115 विलंबित हैं, जबकि पेट्रोलियम के लिए 140 में से 89 परियोजनाएं समय से पीछे हैं। अवसंरचना और परियोजना निगरानी प्रभाग (आईपीएमडी) केंद्रीय क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या उससे अधिक की लागत की परियोजनाओं की निगरानी करता है। आईपीएमडी परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा ऑनलाइन कंप्यूटरीकृत निगरानी प्रणाली (ओसीएमएस) पर प्रदान की गई जानकारी के आधार पर इनकी निगरानी करता है। आईपीएमडी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत आता है।

रिपोर्ट से पता चलता है कि मुनीराबाद-महबूबनगर रेल परियोजना सबसे अधिक देरी से चल रही परियोजना है। यह 276 महीने की देरी से चल रही है। दूसरी सबसे विलंबित परियोजना उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल परियोजना है। यह परियोजना अपने निर्धारित समय से 247 महीने पीछे है। तीसरी देरी वाली परियोजना बेलापुर-सीवुड-शहरी विद्युतीकृत दोहरी लाइन है, जिसमें 228 महीने की देरी है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग क्षेत्र की 835 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत (जब स्वीकृति मिली थी)4,94,300.45 करोड़ रुपये थी। इसके अब बढ़कर 5,26,481.88 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इस तरह सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र की परियोजनाओं की लागत 6.5 प्रतिशत बढ़ी है। सितंबर, 2022 तक इन परियोजनाओं पर किया गया खर्च 3,21,980.33 करोड़ रुपये था, जो अनुमानित लागत का 61.2 प्रतिशत बैठता है।

रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे की 173 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत 3,72,761.45 करोड़ थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 6,23,008.98 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यानी रेलवे की परियोजनाओं की लागत 67.1 प्रतिशत बढ़ी है। सितंबर, 2022 तक इन परियोजनाओं पर किया गया खर्च 3,50,349.9 करोड़ रुपये या अनुमानित लागत का 56.2 प्रतिशत था।

इसी तरह पेट्रोलियम क्षेत्र की 140 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत 3,64,330.55 करोड़ रुपये थी, लेकिन यह बढ़कर 3,84,102.18 करोड़ रुपये हो गई है। इसमें 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सितंबर, 2022 तक इन परियोजनाओं पर कुल 1,38,460.78 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। यह अनुमानित लागत का 36 प्रतिशत बैठता है।

'बड़े और शक्तिशाली' देश का भार महसूस कर रहे भारत, अन्य देश इससे निपटने का रास्ता तलाशें: एकरमैन

नयी दिल्ली। ''भारत और अन्य देश एक 'बड़े और शक्तिशाली देश' का भार महसूस कर रहे हैं और इन्हें साथ बैठकर विचार करना चाहिए कि स्थिति से कैसे निपटा जाए।'' भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने हिंद-प्रशांत समेत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के संदर्भ में यह बात कही। जर्मनी के राजदूत ने यह भी कहा कि भारत को एक स्वतंत्र, मुक्त और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करने के समग्र वैश्विक प्रयासों में एक ''मार्गदर्शक'' की भूमिका निभानी चाहिए। एकरमैन ने कहा, ''भारत का एक अनसुलझा सीमा विवाद है। यह कुछ ऐसा है, जिसका भार भारत महसूस कर रहा है और स्पष्ट तौर पर इस कठिन अध्याय से निपटना आसान नहीं है। मुझे लगता है कि पूरा क्षेत्र इस बड़े और शक्तिशाली राष्ट्र के भार को महसूस कर रहा है।''

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) सहित क्षेत्र में चीन के आक्रामक रवैये के बारे में पूछे जाने पर राजदूत ने कहा कि क्षेत्र के सभी देशों को एक साथ बैठना चाहिए और यह पता लगाने की कोशिश करनी चाहिए कि ''एक शक्तिशाली पड़ोसी को रोकने के लिए प्रत्येक (देश) क्या कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे स्वीकार करना होगा कि यहां होने के नाते मैं (यह सब) देख पा रहा हूं। आप इस तनाव को महसूस करते हैं। यह कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे नजरअंदाज करना चाहिए।'' जून 2020 में गलवान घाटी में हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के संबंधों में तनाव आया है। एक समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए भारत के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर राजदूत ने चार देशों के गठबंधन 'क्वाड' और ऐसे अन्य मंचों में नयी दिल्ली की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि देश (भारत) कई मायने में दूसरों का मार्गदर्शन कर सकता है।

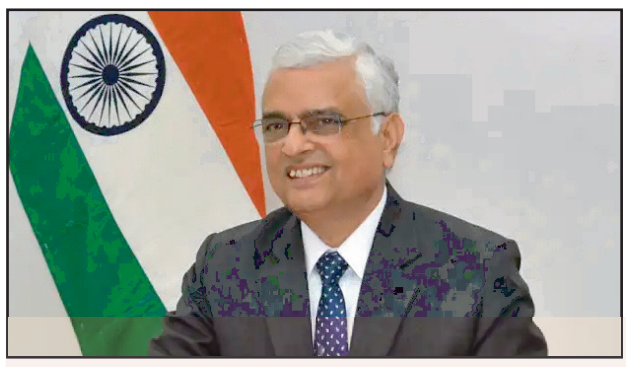

2024 में एक साथ चुनाव कराने का मौका, राजनीतिक दलों को साथ लें: पूर्व सीईसी

एनटीवी न्यूज

नईदिल्ली। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ओ पी रावत ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' अवधारणा का समर्थन करते हुए कहा है कि 2024 में लोकसभा और सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का मौका है, लेकिन इस पर आगे बढ़ने से पहले सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लिया जाना चाहिए। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान चुनाव प्रणाली में किसी भी बदलाव के लिए कई संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने पर जोर दिया है, जबकि निर्वाचन आयोग (ईसी), विधि आयोग और नीति आयोग जैसे प्रमुख निकायों ने भी अलग-अलग चुनावों को कराने में हो रहे भारी व्यय को देखते हुए इस विचार को उपयोगी बताया है।

देश में सालभर नियमित अंतराल में कोई न कोई चुनाव होता रहता है, जिससे सभी राजनीतिक दल हर समय चुनावी मोड में रहते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक साथ चुनाव कराने के विचार का पूरा समर्थन किया है, जबकि कांग्रेस ने सावधानीपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया है। हालांकि, कुछ राजनीतिक दलों और विश्लेषकों ने इसके प्रति बहुत उत्साह नहीं दिखाया है। रावत ने कहा, "निर्वाचन आयोग ने पहले सरकार को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर विस्तृत योजना सौंपी थी। मेरा मानना है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव हर पांच साल में एक साथ कराए जा सकते हैं, जैसा कि देश में 1967 तक होता था।"

इनसाइड

बिजली लोगों की मौलिक जरूरत, इससे किसी को भी वंचित नहीं कर सकते; हाईकोर्ट ने महिला के हक में दिया फैसला

हाईकोर्ट ने करीब एक साल से बिना बिजली के रह रही महिला के हक में फैसला दिया है। कोर्ट ने बिजली कंपनी को महिला के घर में उसके पति के अनापत्ति प्रमाणपत्र के बगैर बिजली कनेक्शन लगाने का आदेश दिया है।

नईदिल्ली। बिजली को लोगों की मौलिक जरूरत बताते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि इससे किसी को वंचित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने करीब एक साल से बगैर बिजली के रह रही महिला के हक में फैसला देते हुए यह टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने बिजली वितरण कंपनी को महिला के घर में उसके पति के अनापत्ति प्रमाणपत्र के बगैर बिजली कनेक्शन लगाने का आदेश दिया है। वह महिला पति से अलग रह रही है। जस्टिस मनोज कुमार ओहरी ने हाल ही में पारित फैसले में 'सुप्रीम कोर्ट के पूर्व के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि कानून के स्थापित मानदंड के अनुसार, बिजली लोगों की मौलिक जरूरत है। इससे किसी को वंचित नहीं किया जा सकता। साथ ही हाईकोर्ट ने टाटा पावर दिल्ली वितरण लिमिटेड (टीपीडीडीएल) को महिला के घर में बिजली का मीटर/कनेक्शन लगाने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने टीपीडीडीएल को आदेश दिया है कि बिजली कनेक्शन देने के लिए महिला के पति की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र की मांग नहीं करे। महिला ने वकील प्रदीप खत्री ने हाईकोर्ट में कहा था कि संबंधित मकान में महिला अपने बीमार बेटे के साथ रहती है। पिछले साल उसका पति उसे छोड़कर अलग रहने लगा है। वकील ने बताया कि उनका मुवक्किल यानी याचिकाकर्ता महिला भी मकान की हिस्सेदार है। कोर्ट को बताया गया कि जब महिला ने बिजली कनेक्शन के लिए कंपनी से संपर्क किया तो पति से आनपत्ति प्रमाण पत्र के बगैर कनेक्शन देने से इनकार कर दिया।

कनेक्शन दे टीपीडीडीएल अदालत

हाईकोर्ट ने टीपीडीडीएल को महिला के नाम संबंधित मकान में बिजली का कनेक्शन देने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता महिला को भी कोर्ट ने कंपनी में आवेदन करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कंपनी को बगैर एनओसी के कनेक्शन देने का निर्देश दिया। साथ ही महिला को बिजली कनेक्शन के लिए 10 हजार रुपये की अतिरिक्त सुरक्षा राशि जमा कराने का आदेश दिया है।

मैं वो दिन देख रहा हूं जब दुनिया के बड़े यात्री विमान भी भारत में बनेंगे, वडोदरा में बोले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

एनटीवी संवाददाता

वडोदरा में पीएम मोदी ने रखी C-295 एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी की आधारशिला। इस मौके पर कहा कि भारत को दुनिया का बड़ा विनिर्माण हब बनाने की दिशा में हम बहुत बड़ा कदम उठा रहे हैं। भारत आज अपना लड़ाकू विमान, टैंक, पनडुब्बी बना रहा है। इतना ही नहीं भारत में बनी दवाइयां और वैक्सीन भी दुनिया में लाखों लोगों का जीवन बचा रही हैं।

वडोदरा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (PM Narendra Modi) ने गुजरात दौरे के पहले दिन वडोदरा में C-295 परिवहन विमान निर्माण संयंत्र की आधारशिला रखी। इस मौके पर प्रधानमंत्री (PM Narendra Modi) ने पूर्व की सरकारों पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों को निजी क्षेत्र पर भरोसा नहीं था। उन्हें लगता था कि सारे काम सरकारों को करने चाहिए। पीएम मोदी ने कहा यह माना जाता था कि देश में स्किल मैनपावर नहीं है, लेकिन बीते आठ सालों में हमने इस दिशा में काम किया। स्किल डेवलपमेंट पर फोकस किया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ease of doing business) के साथ श्रम कानूनों को आसान किया। इसका नतीजा है कि आज मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में सबसे अच्छी स्थिति भारत की है। प्रधानमंत्री (PM Narendra Modi) ने कहा कि हम एयरक्राफ्ट कैरियर, सबमरीन बना रहे हैं। यही नहीं भारत में बनी दवाएं दुनिया में लोगों की जान बचा रही हैं। मेक इन इंडिया (Make in India), मेक फॉर द ग्लोब (Make For the Globe) के मंत्र पर आगे बढ़ रहा भारत, आज अपने सामर्थ्य को और बढ़ा रहा है। अब भारत, ट्रांसपोर्ट प्लेन्स का भी बहुत बड़ा निर्माता बनेगा। आज भारत में इसकी शुरुआत हो रही है। भारत मेक इन इंडिया, मेक फॉर ग्लोब के इस मंत्र पर आगे बढ़ता भारत आज अपने सामर्थ्य को और आगे बढ़ा रहा है। अब भारत परिवहन विमान का भी बहुत बड़ा निर्माता बनेगा। आज भारत में इसकी शुरूआत हो रही है। और मैं वो दिन देख रहा हूं जब दुनिया के बड़े यात्री विमान भी भारत में बनेंगे।

हमारी पॉलिसी स्टेबल है

पीएम मोदी (PM Narendra Modi) ने कहा कि आज भारत नए माइंडसेट, एक नए वर्क कल्चर के साथ काम कर रहा है। हमने काम चलाऊ फैसलों का तरीका छोड़ा है और निवेशकों के लिए कई तरह के इंसेटिव लेकर आए हैं। हमने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव स्कीम लॉन्च की। जिससे बदलाव दिखने लगा। पीएम मोदी (PM Narendra Modi) ने कहा कि हमारी पॉलिसी स्टेबल है। प्रिडेक्टेबल और फ्यूचरेस्टिक है। हम पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान और नेशनल लॉजिस्टिक पॉलिसी के जरिए देश की लॉजिस्टिक व्यवस्था में सुधार ला रहे हैं।

पूरे देश के लिए गर्व की बात: राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह (Rajnath Singh) ने कहा कि आज देश में पहली बार निजी क्षेत्र द्वारा किसी विमान निर्माण सुविधा की आधारशिला रखी जा रही है। यह निश्चित रूप से रक्षा क्षेत्र के साथ-साथ पूरे देश के लिए गर्व की बात है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि गुजरात आज विकास के हर क्षेत्र में देश का रोल मॉडल है। यह प्रधानमंत्री के प्रयासों का ही परिणाम है। बीते दशकों में गुजरात ने उद्योग, कृषि और समाजिक विकास में जो अग्रिम स्थान बनाया है उसमें भी प्रधानमंत्री का समर्पित भाव है। एयरबस के चीफ कमर्शियल ऑफिसर क्रिश्चियन शेरर ने कहा, हम विनम्रता और जिम्मेदारी की एक महान भावना के साथ, एयरबस में भारत सरकार के विश्वास और विश्वास को स्वीकार करते है। टाटा और एयरबस (Tata-Airbus) मिलकर एक ऐसा विमान निर्मित करेंगे जो IAF को मजबूत करेगा। यह प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत (aatmnirbhar bharat) के दृष्टिकोण की सेवा करेगा।कार्यक्रम में सीएम भूपेंद्र पटेल (CM Bhupendra Patel), टाटा संस के चेयरपर्सन एन चंद्रशेखरन और शहरी कार्यकारी उपाध्यक्ष ने मोदी का सम्मानित किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

रोड शो में उमड़ी भीड़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (PM Narendra Modi) ने इससे पहले वड़ोदरा में एक रोड शो में हिस्सा लिया। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ लोगों की भारी भीड़ नजर आई। यह रोड शो एयरपोर्ट से लेकर लेप्रेसी ग्राउंड तक हुआ। पीएम ने लोगों का गर्मजोशी से अभिवादन स्वीकार किया। इससे पहले एयरपोर्ट पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, सीएम भूपेन्द्र पटेल, गुजरात बीजेपी के अध्यक्ष सी आर पाटिल ने पीएम मोदी का स्वागत किया। एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए वडोदरा के बीजेपी नेता भी मौजूद रहे।

सांसों पर संकट : दिल्ली में वायु प्रदूषण से जुड़ी पाबंदियों पर अमल को 586 टीमें गठित

एनसीआर में पाबंदियों पर अमल किया जाए, जिसमें ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लॉन (ग्रैप) के तृतीय चरण के तहत निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर रोक लगे सके

एनटीवी संवाददाता

सीएक्यूएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि एनसीआर में पाबंदियों पर अमल किया जाए, जिसमें ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लॉन (ग्रैप) के तृतीय चरण के तहत निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर रोक लगाना शामिल है।

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने खराब हो रही वायु गुणवत्ता के मद्देनजर राजधानी में निर्माण और विध्वंस कार्य पर लगाई गई पाबंदी पर अमल सुनिश्चित करने के लिए 586 टीमें गठित की हैं। राय ने यहां प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार हवा की गति और दिशा एक नवंबर से अनुपयुक्त हो जाएगी, जिससे दिल्ली की वायु गुणवत्ता के 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचने का दबाव बढ़ जाएगा, इसलिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पाबंदियों पर अमल किया जाए, जिसमें ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लॉन (ग्रैप) के तृतीय चरण के तहत निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर रोक लगाना शामिल है।

मंत्री ने कहा कि हमने राजधानी की सभी निर्माण एजेंसियों और संबंधित सरकारी विभागों के साथ बैठक की है, जिनमें लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम, रेलवे, दिल्ली विकास प्राधिकरण और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति शामिल हैं। हमने निर्णय लिया है कि शहर में निर्माण और विध्वंस से जुड़ी गतिविधियों पर पाबंदी लगाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने एक मजबूत निगरानी प्रणाली विकसित की है, ताकि निर्देशों का अनुपालन किया जा सके और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के सहयोग से कुल 586 टीम गठित की गई हैं। ये टीमें पाबंदियों पर अमल पर निगरानी करेंगी।

इन कामों की होगी छूट

ग्रैप के तीसरे चरण के तहत अधिकारियों से कहा गया है कि वे निर्माण और विध्वंस की गतिविधियों पर पाबंदी लगाएं, लेकिन आवश्यक परियोजनओं और प्रदूषण नहीं फैलाने वाली गतिविधियों को छूट दी गई है, जिनमें प्लम्बिंग, बढ़ईगीरी, आंतरिक सज्जा और बिजली आदि के काम शामिल हैं।

पाबंदी आवश्यक परियोजनाओं पर लागू नहीं होगी, जिनमें राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा, रेलवे और मेट्रो रेल समेत अन्य परियोजनाएं शामिल हैं। निर्माण और विध्वंस के कार्यों पर पाबंदी के तहत खुदाई, बोरिंग, वेल्डिंग, निर्माण सामग्री की लदाई और ढुलाई पर रोक शामिल है। इसके अलावा फ्लाई ऐश समेत कच्चे माल के परिवहन पर रोक लगाई गई है और कच्ची सड़क पर वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी है।

सीवर लाइन बिछाने, बैचिंग संयंत्रों के संचालन, पानी की पाइप बिछाने, नाले से जुड़े कार्य, टाइल्स को काटने और बिछाने, पत्थर और फर्श पर बिछाने की अन्य सामग्री, पीसने की गतिविधि, वाटरप्रूफिंग कार्य, फुटपाथ समेत सड़क निर्माण कार्य और कई अन्य गतिविधियों पर पाबंदी लगाई गई है।

निर्माणाधीन पुल से नीचे गिरा ट्रक, नहीं था कोई स्टॉप साइन; चालक की मौके पर मौत

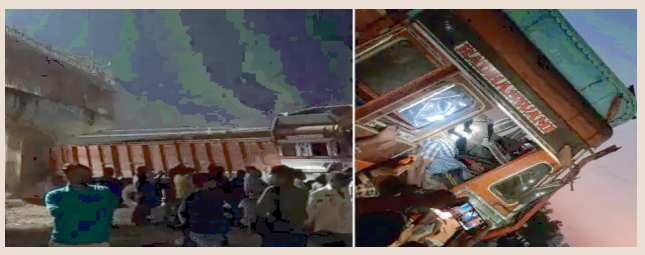

नई दिल्ली। ओडिशा के मयूरभंज में बॉम्बे चक के पास NH-49 पर एक निर्माणाधीन पुल से तेज रफ्तार ट्रक नीचे गिर गया। घटना के बाद चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बता दें कि पुल अधूरा था लेकिन, कोई बैरियर या स्टॉप साइन न होने की वजह से चालक को पता नहीं लग सका कि आगे रास्ता नहीं है और वह ट्रक समेत नीचे गिर गया।

जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक पुल से नीचे गिर गया और चालक की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक क्योंझर से कोलकाता जा रहा था। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कुछ लोग, जो एनएच के सड़क के किनारे बैठे थे, को ट्रक चालक को अपना वाहन रोकने के लिए लहराते और सावधान करते देखा जा सकता है क्योंकि ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी तो वह समझ नहीं पाया कि आगे पुल की सड़क नहीं है।

घटना के बाद, स्थानीय लोगों ने 18 और 49 नंबर के राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया और लंबा जाम लग गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि न तो राजमार्ग अधिकारियों ने डायवर्जन नोटिस या रोड मार्क साइनेज लगाया और न ही पुल के संपर्क मार्ग पर बैरिकेड्स लगाए। चूंकि पहले से ही अंधेरा था, इसलिए चालक आधे बने पुल और साइड रोड को नहीं देख सका और सीधे डेड एंड में चला गया।